



शिक्षक केलिए दिशा-निर्देश

बाइबल टाइम
लेवल 1 और 2

A सीरीज़

पाठ 7-12

www.besweb.com



P.O Box - 9, MOOKANNUR P.O., 683577, Ernakulam, KERALA
E-mail : besindia1@gmail.com, www.besweb.org, www.biblevoice.co

शिक्षक के लिए दिशा- निर्देश।

यह दिशा-निर्देश उन शिक्षकों के लिए प्रकाशित किए हैं जो बाइबल टाइम सिखाते हैं। इस पुस्तिका को लेवल 1 और 2 लगभग 5-10 के आयु के बच्चों को पठाने से इस्तमाल कर सकते हैं।

हर एक टिचिना गाइड में वही बाइबल पद का अनुकरण किया है जो बाइबल टाइम पाठ में दिए गए हैं। बाइबल टाइम पाठ और गाइडलाइन्स साप्ताहिक आधार पर उपयोग करने के लिए बनाया गया है। अप्रैल के पाठ क्रिस्मस से सम्बन्धित है।

कई क्षेत्रों में A4 पाठ और दूसरे क्षेत्रों में A5 पुस्तिका को जिसमें 24 पाठ शामिल हैं उसका उपयोग करते हैं। आम तौर पर शिक्षक A4 मासिक पाठ का वितरण करेंगे और एक हफ्ते में एक पाठ को विद्यालय, गिरिजाघर, या अपने घर में लैजाकर पूरा करके वापस लौटाना चाहिए। हर महीने के अन्त में शिक्षक पाठ को इकट्ठा करके जाँचने के बाद जल्द ही लौटाना चाहिए।

आदर्शरूप में पुस्तिका इस्तमाल करते वक्त सत्र के अन्त में जाँच करने के लिए इकट्ठा करते हैं। हम समझ सकते हैं कि कई परिस्थितियों में असम्भव है। ऐसे स्थिति में पुस्तिका को कक्षा के दूसरे बच्चों में वितरण करके उन से जाँच करवाया जा सकता है। पुस्तिका के पीछे हर महीने का अन्क लिखने और बच्चों की प्रगति के बारे में टिप्पणी लिखने का स्थान दिए गए हैं। एक प्रमाण पत्र भी है जिसे अलग करके छः में प्राप्त किए कुल अन्क लिखकर बच्चों को देने हैं।

शिक्षक के लिए तैयारी

हम आदेशात्मक नहीं होने चाहते जिसकी वजह से शिक्षक को अपने विचारों और तरीकों से सिखाने का अवसर न मिले। यह बाइबल टाइम सिखाने के लिए सिर्फ एक सूझाव है।

- **कहानी से सुपरिचित होना** - शिक्षकों को बाइबल कहानियों और उससे जुड़े बाइबल टाइम पाठ से अच्छी तरह से सुपरिचित होना चाहिए। शिक्षक को पहले पाठ पूरा करना चाहिए। हर एक पाठ की दिशा-निर्देशों को ध्यान से पढ़कर नियोजन सहायता के रूप में भी इस्तमाल करना चाहिए।
- **विषय को समझना** - हर एक पाठ के आरम्भ में अपने यह वाक्य देखा होगा - “हम सीख रहे हैं कि” उसके बाद सीखने के दो उद्देश्य भी दिए गए हैं जो हमें उम्मीद है कि शिक्षक के प्रस्तुति और बच्चे बाइबल टाइम को पूरा करने पर उन्हें समझ आएँगे। सीखने का पहला उद्देश्य है विषय के बारे में जान प्राप्त करना और दूसरा उद्देश्य है बच्चे को इस जान के बारे में सोचने, प्रयोग करके अनुक्रिया देने के लिए प्रोत्साहन देना। यह निर्देशन पाठ में दिए गए मुख्य विषय सत्य का सूक्ष्म वक्तव्य है। इसे शिक्षक अपने पठाने और सीखने के अपने व्यक्तिगत मूल्यान्कन के लिए उपयोग कर सकते हैं।
- **परिचय कराना** - हर पाठ के आरम्भ में उन परिस्थितियों में बच्चों के अपने अनुभव के बारे में पूछकर शुरू करना चाहिए। बच्चों को पाठ का परिचय कराने के लिए कई तरीकों का सुझाव दिए गए हैं। जिसके सहायता से कहानी की प्रारम्भ के बारे में बच्चे सम्वातात्मक चर्चा कर सकेंगे।
- **पढाना** - कहानी की मुख्य सारांश हमने दिए हैं। हम यह नहीं चाहते की पढाते वक्त शिक्षक इसे देखें। हम चाहते हैं की शिक्षक इस पाठ से इतना परिचित हो ताकि मनेरन्जक और प्रेरणापद तरीके से बच्चों को वह सीखा पाएँगे। शिक्षक यह चाहेंगे की बच्चे कहानी की मुख्य पाठ को समझें और उस कहानी को सीखने के बाद अनुक्रिया दें। कई प्रधान व्यक्तियों को हम तिरछे अक्षरों में लिखे हैं।
- **सीखना** - हर एक कहानी में एक मुख्य पद दिए गए हैं। कई जगह दो पद दिए हैं। हम चाहते हैं की बच्चों को अक्सर मुख्य पद याद दिलाते रहे ताकि उन्हें बाइबल पदों के बारे में जान प्राप्त होगा।
- **पूरा करे** - एक विद्यालय कि माहोल में बच्चों की सामर्थ्य और शिक्षक की तरह से दिए जाने वाले मदद के बारे में हमें पता होता है। कई बच्चों के लिए ज़रूरी है की शिक्षक उन्हें पाठ पढ़ के सुनाएँ। अन्य बच्चों स्वयं पढ़ सकते हैं। दोनों हाल में यह अच्छा होगा अगर बच्चों का ध्यान हम सवालियों से सम्बन्धित निर्देशों के और खींच सके। अगर आप स्कूल से बाहर बाइबल टाइम सीखा रहे हो तो यह बहुत ज़रूरी है कि आप मदद के लिए मौजूद हो ताकि बच्चों को यह न लगे की यह एक बहुत ही मुश्किल काम या परीक्षा है। पढाते वक्त उसे मज़ेदार बनाना प्रोत्साहित करना और तारीफ करना अनिवार्य है।
- **याद कराना** - पाठ को दोहराते वक्त पहली या अभिनय द्वारा उसे मनोरंजक बनाएँ ताकि बच्चों को वह हमेशा याद रहे।
- **प्रदर्शित करना** - हो सके तो चाक्षुष सहायक सामग्री का उपयोग करे ताकि बच्चों पाठ को अच्छी तरह से समझ सके। वेबसाइट में (www.freebibleimages.org & info@eikonbibleart.com) से यह सामग्री मिल सकते हैं।

1. मुख्य पद को सिखाना

पद को कागज़ या बोर्ड में लिखे और जैसे बच्चे उसे दोहराते हैं पद से एक-एक पद करके निकाले ताकि अन्त में पूरा पद को निकाल दिया जाए और बच्चे उन्हें बिना देखे दोहराए।

2. मुख्य पद को परिचय कराने के लिए

- A. बच्चों को दो झुण्ड में डाले: एक झुण्ड को कई अक्षर लिखे हुए परिचियाँ दे और दूसरे झुण्ड को खाल परचे। बच्चे आपस में मिलकर उसे पूरा करे और सीखे।
- B. सबसे पहले जो बच्चा बाइबल में यह पद ढूँढे वह जोर से उसे पठे।

समय योजना

क्रम: हर पाठ के लिए हम एक ही क्रम दिए हैं। लेकिन शिक्षक चाहे तो इच्छा अनुसार बदल सकते हैं।

1. प्रस्तुतीकरण और कहानी को सुनाना - लगभग 15 मिनट
2. मुख्य पद को पढ़ाना - 5-10 मिनट
3. कार्य-पत्र को पूरा करना - 20 मिनट
4. सवाल-जवाब और दूसरे क्रियाकलाप - 5-10 मिनट

हमेशा यह कहावत याद रकना:

“मुझे सुनाईए, मैं भूल सकता हूँ,
‘मुझे दिखाईए, मैं याद रखूँगा,
मुझे शामिल करे, मैं सीख लूँगा।”

बाइबल टाइम पाठ्यक्रम

	लेवल 0 (प्री स्कूल) लेवल 1 (उम्र 5-7) लेवल 2 (उम्र 8-10)	लेवल 3 (उम्र 11-13)	लेवल 4 (उम्र 14+)
स्टार्टर सीरीज़	<ol style="list-style-type: none"> 1. पहला पाठ - परिचय 2. U 1 लूका का सुसमाचार 3. U 2 लूका का सुसमाचार 4. U 3 लूका का सुसमाचार 	<ol style="list-style-type: none"> 1. पहला पाठ - परिचय 2. U 1 लूका का सुसमाचार 3. U 2 लूका का सुसमाचार 4. U 3 लूका का सुसमाचार 	<ol style="list-style-type: none"> 1. पहला पाठ - परिचय 2. U 1 लूका का सुसमाचार 3. U 2 लूका का सुसमाचार 4. U 3 लूका का सुसमाचार
सीरीज़ A	<ol style="list-style-type: none"> 1. सृष्टी 2. नूह 3. पतरस 4. पतरस- क्रूस 5. अब्राहम 6. अब्राहम 7. पतरस 8. पतरस 9. याकूब 10. प्रथम ईसाई 11. पौलूस 12. क्रिसमस की कहानी 	<ol style="list-style-type: none"> 1. सृष्टी 2. नूह 3. पतरस 4. पतरस- क्रूस 5. पतरस 6. अब्राहम 7. याकूब 8. प्रार्थना 9. पौलूस 10. पौलूस 11. पौलूस 12. क्रिसमस की कहानी 	<ol style="list-style-type: none"> 1. सृष्टी और पाप 2. उत्पत्ति 3. पतरस 4. पतरस- क्रूस 5. पतरस 6. अब्राहम 7. याकूब 8. मसीही जीवन 9. पौलूस 10. पौलूस 11. पौलूस 12. क्रिसमस की कहानी
सीरीज़ B	<ol style="list-style-type: none"> 1. मसीह का प्रारम्भिक जीवनकाल 2. अलौकिक कर्म 3. बैतनिय्याह 4. क्रूस 5. दृष्टान्त 6. यूसुफ 7. यूसुफ 8. यीशु ने मिले लोग 9. मूसा 10. मूसा 11. मूसा 12. क्रिसमस की कहानी 	<ol style="list-style-type: none"> 1. दृष्टान्त 2. अलौकिक कर्म 3. बैतनिय्याह 4. क्रूस 5. प्रथम ईसाई 6. यूसुफ 7. यूसुफ 8. सुसमाचार के लेखक 9. मूसा 10. मूसा 11. मूसा 12. क्रिसमस की कहानी 	<ol style="list-style-type: none"> 1. दृष्टान्त 2. अलौकिक कर्म 3. बैतनिय्याह 4. क्रूस 5. प्रथम ईसाई 6. याकूब और परिवार 7. यूसुफ 8. प्रेरितों 2:42 आगे की और 9. मूसा 10. मूसा 11. व्यवस्था 12. क्रिसमस की कहानी
सीरीज़ C	<ol style="list-style-type: none"> 1. दानियेल 2. और अलौकिक कर्म 3. यीशु ने मिले लोग 4. मसीह की मौत 5. रूत और शमुएल 6. दाऊद 7. दाऊद 8. यहोशू 9. एलिय्याह 10. एलिय्याह 11. योना 12. क्रिसमस की कहानी 	<ol style="list-style-type: none"> 1. दानियेल 2. यीशु ने मिले लोग 3. और अलौकिक कर्म 4. मसीह की मौत 5. रूत 6. शमुएल 7. दाऊद 8. यहोशू 9. एलिय्याह 10. एलिय्याह 11. परमेश्वर द्वारा उपयुक्त लोग (पुराना नियम) 12. क्रिसमस की कहानी 	<ol style="list-style-type: none"> 1. दानियेल 2. यीशु की कहावत 3. प्रभु की शक्ति 4. मसीह की मौत 5. रूत 6. शमुएल 7. दाऊद 8. यहोशू 9. एलिय्याह 10. एलिय्याह 11. पुराने नियम के और किरदार 12. क्रिसमस की कहानी

A 7 कहानी 1

पतरस का धर्मोपदेश- यह कहानी पतरस के बारे में है जिसे पवित्र आत्मा ने यीशु के बारे में प्रचार करने के लिए मदद किए थे।

	<p>हम सीख रहे की :</p> <ul style="list-style-type: none"> • चेलो के साथ पवित्र आत्मा का होना ज़रूरी था। • हर कोई जिसने प्रभु यीशु को मसीह के रूप में भरोसा किया है उस के अन्दर पवित्र आत्मा रहता है। <p>मुख्य पद: प्रेरितो 2:36</p> <p>बाइबल पाठ: प्रेरितो 2:1-14; 36-39</p>
प्रस्तुत करने	<ul style="list-style-type: none"> • पवित्र आत्मा को प्रस्तुत करने के लिए सवाल पूँछो क्या आप हवा को देख सकते है? आप कैसे जानते है कि हवा है? जो हवा करता है वह हम देख सकते है। अगर आप बाहर देख सकते है तो हवा के सबूत को ढूँढो। • बच्चों को ईस्टर के कहानी याद दिलाओ-यीशु मरने के बाद पुनर्जीवित हुए थे। स्वर्ग वापस जाने से पहले उन्होने वादा किया था कि वे एक अनदेखा सहायक को भेजेंगे। • यह सहायक पवित्र आत्मा था जो उनमे से हर एक के अन्दर रहेंगे। हवा कि तरह वे पवित्र आत्मा को देख नहीं पाएँगे लेकिन जीवन में जो परिवर्तन आएँगे वह सब को प्रकट होगा।
सिखाने	<ul style="list-style-type: none"> • यीशु स्वर्ग में जाने के एक दिन बाद, यरुशलेम के एक घर में चले इकट्ठा बैठे थे। (प्रेरितो 2:1-4) अचानक वहाँ बडी आँधी का शब्द हुआ। फिर आग कि सी जीभे उनमें से हर एक पर ठहरा। पवित्र आत्मा आ गया था। <i>आप को क्या लगता है कि ऐसे एक खास उपहार मिलने पर चेलों के प्रतिक्रिया क्या थी? (उत्तेजित, विस्मित, यीशु के वादे पूरे होने पर खुशी)</i> • फिर वे समझ गए कि वह अन्य भाषाओ में बोल रहे थे। <i>बच्चो को समझाएं की आम तोर पर हम केवल उन भाषाएँ ही बोल सकते है जो हम माता-पिता से सीखे हो या फिर हमे सिखाए गए हो। चेलो यह भाषा जानते नहीं थे। अगर आप उस वक्त वह घर के सामने से गुजरे तो आप क्या सोचेंगे?</i> • आस पास के लोग शोर सुनकर घबरा गए लेकिन आश्चर्यचकित भी थे (प्रेरितो 2:5-13) • पतरस जानता था कि यह एक अच्छा अवसर है भीड को प्रभु यीशु के बारे में बताने और यह समझाने कि उनके साथ क्या हो रहे थे। (प्रेरितो 2:36-39) <i>एक बडे भीड को सम्भोधित करने कि कठिनाईयों के बारे में चर्चा करो। (थोडा डरावना, कहने के लिए सही शब्द जानना, लोगो के सोच के बारे में थोडा चिन्तित) लेकिन पवित्र आत्मा की सहायता से पतरस यह करने में सक्षम थे।</i> • <i>पतरस के सुनने वालों को अपने पापों से उद्धार पाना जितना ज़रूरी था उतना ही ज़रूरी हमे भी है।</i> • <i>समझाओं की जो कोई प्रभु यीशु को एक मसीह के रूप में विश्वास करेंगे उसे पवित्र आत्मा मिलेंगे। पवित्र आत्मा हमें दुसरो को यीशु के बारे में बताने में मदद करेंगे।</i> <p>बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।</p>
सीखने	<p>मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो - प्रेरितो 2:36 यह पतरस के सन्देश का एक हिस्सा था। उसने कहा कि उन लोगों ने यीशु को मार डाला था। लेकिन परमेश्वर ने उसे जीवित किया। यह साबित करता है कि यीशु एक साधारण मनुष्य नहीं था वे प्रभु और मसीह था।</p>
याद करने	<ul style="list-style-type: none"> • पवित्र आत्मा के आगमन के वक्त प्रेरित कहाँ थे? • आत्मा कि आने की आवाज़ किस तरह की थी? • प्रेरितो ने क्या देखा? • जैसे ही वे पवित्र आत्मा से भर गए थे, वे क्या करने में सक्षम थे? • सब कुछ कौन सुन रहा था? • किस प्रेरित ने खडे होकर सारे चीजों को समझाया? • पतरस ने किस के बारे में कहा? • पतरस ने उन्हें उनके पाप के बारे में क्या बताया? • यह करने पर उन्हें क्या मिलेगे? • आज किस तरह के लोगों के अन्दर पवित्र आत्मा रहती है?

A 7 कहानी 2

पतरस एक लनाडा आदमी को चन्ना करता है- यह कहानी परमेश्वर के चन्ना करने के शक्ति के बारे में है।

	<p>हम सीख रहे की :</p> <ul style="list-style-type: none"> • यीशु की शक्ति से पतरस और यूहन्ना द्वारा लनाडे को चन्ना किया। • पतरस और यूहन्ना उस लनाडे का मदद करने चाहा उसी तरह हमे भी दूसरों की मदद करना चाहिए। <p>मुख्य पद: लेवल 1- प्रेरितो 3:6 लेवल 2- प्रेरितो 3:16</p> <p>बाइबल पाठ: प्रेरितो 3:1-12</p>
प्रस्तुत करने	<ul style="list-style-type: none"> • संवेदनशील तरीको से बच्चों को उस आदमी के बारे में बताओ जो चल नहीं सकता था वह अपने भोजन और जीवित रकने के लिए सिर्फ भीख माँग सकता था। • समझाओ कि उसे हर दिन दूसरे लोग के सहायता से मन्दिर तक ले जाया जा सकता था। • एक दुखी आदमी का एक सरल चित्र बनाओ।
सिखाने	<ul style="list-style-type: none"> • एक दिन जैसे पतरस और यूहन्ना मन्दिर जा रहे थे तभी एक लनाडा आदमी ने उनसे पैसे माँगे। (प्रेरितो 3:1-5) इशारा करो कि उस आदमी के साथ बात करने के लिए उन्होंने समय निकाला। • पतरस के शब्द का इस्तमाल करो जो उन्होंने (प्रेरितो 3:6-7) में उपयोग किया था। <i>समझाओ कि सोना और चाँदी केवल थोड़ी मदद करेंगे- वह उस आदमी का पैर ठीक नहीं कर सकता था।</i> पतरस उनको ऐसे कुछ देने को सक्षम था जो पूरी तरह से उनका जीवन को बदल देने वाला थी। • पतरस ने उसका हाथ पकड कर उसे उठाया। अचानक उनके पावों और टखनो में बल आ गया। जिन्दगी में पहली बार वे अब चल और कूद सकता था। फिर उसने परमेश्वर के स्तुती करते हुए पतरस और यूहन्ना के साथ मन्दिर गए (प्रेरितो 3:8) अगर आप इस लनाडे को रोज़ भीख माँगते हुए देखा था और जब यह नज़ारा को देखा तो आपकी प्रतिक्रिया क्या होगी? • हर कोई इस घटना को देख कर अचम्भीत थे। (प्रेरितो 3:9-12) • विचार करो कि हम पतरस के आदर्श का पालन कैसे कर सकते हैं। दूसरों की मदद करने के बारे में बताएँ और स्पष्ट करे कि सबसे महत्वपूर्ण कार्य जो हम कर सकते हैं वह है प्रभु यीशु के समाचार को दूसरों को बताना।। • उस आदमी के तरह हमारे जीवन में भी अनेक परेशानियाँ हे। लेकिन जिस यीशु ने उस लनाडे को चन्ना किया वे हमारे पापों को दूर करने में सक्षम है • कुछ चीज़ों के बारे में सोचो जिसके लिए हम परमेश्वर का स्तुति कर सकते हैं। <p>बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।</p>
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो -लेवल 1- प्रेरितो 3:6; लेवल 2- प्रेरितो 3:16।
याद करने	<ul style="list-style-type: none"> • तब समय क्या था। • पतरस और यूहन्ना कहाँ जा रहे थे? • कितने सालों से वह व्यक्ति लनाडा था? • हर दिन वह कहाँ बैठता था? • पतरस और यूहन्ना से उसने क्या माँगा? • किसके नाम से पतरस ने उसे चन्ना किया? • पतरस ने बात करने के अलावा और क्या किया? • तीन कार्य को लिखो जो वह आदमी अब करने में सक्षम था? • चन्ना होने के बाद वह कहाँ गया? • यीशु कि शक्ति हमारे जीवन में क्या असर कर सकता है?

A 7 कहानी 3

पतरस बन्दीगृह में- यह कहानी परमेश्वर अपने सेवा करने वालों की मदद करने के बारे में है।

	<p>हम सीख रहे की :</p> <ul style="list-style-type: none"> • पहले ईसाइयों को उन धार्मिक नेताओं का सामना करना पडा जिन्होंने यीशु को क्रूस पर चढाया था। • जो लोग वास्तव में यीशु को प्यार करते है वे किसी भी परेशानी के बीच में भी उनके आदेश का पालन करेंगे। <p>मुख्य पद: इब्रानियों 13:6 बाइबल पाठ: प्रेरितो 4:1-22</p>
प्रस्तुत करने	<ul style="list-style-type: none"> • क्योंकि यह कहानी पिछली कहानी का अविराम है अच्छा होगा अगर हम एक पुनरिक्षण दे सके। • खुश और दुखी चेहरो का चित्र बनाएँ। • उस लनाडे ने कैसे चलना शुरु किया? बच्चो को समझाओ कि यह सिर्फ यीशु की शक्ति के कारण है।
सिखाने	<ul style="list-style-type: none"> • इसके बाद पतरस और यूहन्ना ने पुनर्जीवित प्रभु यीशु के बारे में बताया और बहुत से लोगो ने विश्वास किया। (प्रेरितो 4:1,2,4) लेकिन मन्दिर के महायाचक पतरस से नाराज़ थे। जल्द ही उन्होने पतरस और यूहन्ना को गिरफ्तार करके बन्दीगृह में डाला। (प्रेरितो 4:3) <i>समझाएँ कि उनके लिए यह कैसा अनुभव रहा होगा।</i> • अगली सुबह उन्हे महायाजक के सामने ले आकर पूछताछ शुरु किया। (प्रेरितो 4:5-7) • एक बार फिर पवित्र आत्मा के मदद से पतरस ने महासभा को समझाया कि कैसे उस लनाडे को चन्ना मिला (प्रेरितो 4:8-12) महासभा यह नही समझ पाया कि पतरस और यूहन्ना के साथ क्या करना है। वे जानते थे कि एक अलौकिक कर्म हुआ था लेकिन आपस में चर्चा करने के बाद उन्होने पतरस और यूहन्ना को यीशु के बारे में प्रचार करने को मना किया। (प्रेरितो 4:13-14) <i>पतरस और यूहन्ना ने कैसे महसूस किए होंगे? क्या वे पालन करेंगे?</i> • पतरस और यूहन्ना जानते थे कि प्रभु यीशु के बारे में न बोलना असम्भव है। (प्रेरितो 4:20) <i>वे प्रभु यीशु को इतना प्यार करते थे कि उनके लिए किसी भी कठिनाई का सामना करने के लिए तैयार थे। और वे जानते थे कि प्रभु हमेशा उनके साथ होंगे और पवित्र आत्मा उनके मदद करेंगे।</i> • <i>यीशु चाहता है कि सभी कठिनाईयों के बीच में भी हम उसकी आज्ञा का पालन करें।</i> <p>बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।</p>
सीखने	<p>मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो -इब्रानियो 13:6 क्या आप को लगता है कि ये शब्द उनकी मदद कर सकते हैं? स्पष्ट करो कि इसे समझने पर हमे भी सहायता हो सकता है।</p>
याद करने	<ul style="list-style-type: none"> • बच्चों के दो झुण्ड बनाएँ। इस प्रश्नोत्तरी के वाक्यों को अलग-अलग परचे में लिखकर थैली में डालो। हर एक वाक्य को 5-100 के बीच का अन्क दिए गए है। • सिपाई पतरस और यूहन्ना से नाराज़ थे। • वे एक रात बन्दीगृह में रहे। • उनके रिहाई के बाद महासभा ने उनसे पूछताछ किए। • पतरस ने महासभा से कहा कि यीशु की शक्ति से वह आदमी चन्ना हुआ था। • पतरस और यूहन्ना महासभा से फरार हुए। • महासभा ने निर्णय लिया कि पतरस और यूहन्ना कभी भी यीशु के बारे में प्रचार नही करेंगे। • पतरस और यूहन्ना ने कहा कि वे अदालत का पालन करेंगे।

A 7 कहानी 4

पतरस की रिहाई - यह कहानी परमेश्वर प्रार्थना का जवाब देने के बारे में है।

	<p>हम सीख रहे की :</p> <ul style="list-style-type: none"> परमेश्वर अपने शक्ति और सहारा उन मसीही को देना चाहते है जो उनके काम करते है। हमारे हर परिस्थिति का सामने करने के लिए प्रार्थना बहुत महत्वपूर्ण है। <p>मुख्य पद: प्रेरितो 4:31 और मत्ती 6:33</p> <p>बाइबल पाठ: प्रेरितो 4:23-31</p>
प्रस्तुत करने	<ul style="list-style-type: none"> उन खबर के बारे में चर्चा करे जिसे बच्चे अपने दोस्त या परिवार के साथ बाँटना चाहते है- शायद कोई रोमान्चक घटना जहाँ उसने कुछ जीता हो। या फिर कुछ दुखी खबर।
सिखाने	<ul style="list-style-type: none"> पतरस और यूहन्ना के पास कुछ खबर थे जो वे अपने दोस्तों के साथ बाँटना चाहते थे। (प्रेरितो 4:23) अच्छी खबर यह था कि वे अब बन्दीगृह से मुक्त थे और बुरी खबर यह था कि उसे यीशु की प्रचार करने से मना किया गया है। पतरस और यूहन्ना ने प्रार्थना करने का एक सही निर्णय लिया। (प्रेरितो 4:24-30) वे जानते थे कि परमेश्वर नियन्त्रण में थे। और वे उन लोगों से भी महान थे जो उन्हें रोकना चाहते थे। उन्होंने परमेश्वर से अधिक शक्ति के लिए प्रार्थना किया और यीशु के नाम से अधिक अद्भुत काम करने के लिए विनती किया। (प्रेरितो 4:29-30) जैसे ही वे परमेश्वर से प्रार्थना किया, परमेश्वर ने उत्तर भी दिया (प्रेरितो 4:31) <i>समझाओं की उस जगह को हिलाने से परमेश्वर उस पवित्र आत्मा की शक्ति को दर्शाना चाहता था जो भविष्य में यीशु के सुसमाचार के प्रचार करने उनकी मदद के लिए उनके साथ रहेंगे।</i> <i>समझाओ कि जब हमें मुश्किल काम करना पड़े तो हम भी परमेश्वर से प्रार्थना कर सकते है।</i> <i>परमेश्वर हमारी प्रार्थना सुनकर जवाब देता है और आज कि कहानी की लोगों की तरह उन्हें प्रथम स्थान देने हमें मदद करेंगे।</i> <i>लेवल 2 के बच्चों को समझाओ की मसीही होना बहुत कठिन है।</i> <p>बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।</p>
सीखने	<p>मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो -प्रेरितो 4:31 और मत्ती 6:33 परमेश्वर का राज्य को खोजने का मतलब है वह सब जो उनके लिए महत्वपूर्ण है और निश्चित रूप से उसमें प्रभु यीशु भी शामिल है।</p>
याद करने	<p>सभी चार कहानियों के आधार पर प्रश्नोत्तरी।</p> <ul style="list-style-type: none"> यीशु की चेलों को पवित्र आत्मा के ज़रूरत क्यों थे? आत्मा के आगमन पर चेलों ने क्या देखा? मुख्य पद को पूरा करो, "परमेश्वर ने..." (प्रेरितो 2:36) मन्दिर में कैसे के लिए वह आदमी भीख क्यों माँग रहा था? कितने साल से वह लन्गडा था? मुख्य पद को पूरा करो, "यीशु मसीह नासरी के नाम...." (प्रेरितो 3:6) इस अलौकिक कर्म ने यीशु के बारे में लोगों को क्या साबित किया? पतरस ओर यूहन्ना को बन्दीगृह में क्यों रखा गया? महासभा ने उन्हें क्या निर्णय सुनाया? क्या हुआ जब परमेश्वर ने पतरस और यूहन्ना के दोस्तों की प्रार्थना का जवाब दिया?

A 8 कहानी 1

पतरस दोरकास के मदद करता है- यह कहानी दोरकास को फिर से जीवित करने के बारे में है।

	<p>हम सीख रहे की :</p> <ul style="list-style-type: none"> • प्रभु यीशु की शक्ति पतरस के माध्यम से दोरकास के फिर से जीवित करने में मदद किया। • हम प्रभु यीशु पर विश्वास करके प्रतिक्रिया दिखाना चाहिए। <p>मुख्य पद: प्रेरितो 9:42 बाइबल पाठ: प्रेरितो 9:32-43</p>
प्रस्तुत करने	<ul style="list-style-type: none"> • उन तरीको के बारे में बात करे जहाँ हम ज़रूरतमन्द लोगों के साथ साझा करके उनका मदद कर सकते है। • प्रभु यीशु को प्यार करने वाली दयालु महिला के रूप में दोरकास को प्रस्तुत करे। इसके कारण उसने दूसरों का मदद करके और गरीबो के लिए कपडे सिलकर जीवन बिताया।
सिखाने	<ul style="list-style-type: none"> • एक दिन दोरकास बहुत बीमार होकर मर गई (प्रेरितो 9:37) उसके दोस्तों को कैसे महसूस हुए होंगे? • दो ईसाई ने पतरस को ढूढने पास के याफा शहर गए। (प्रेरितो 9:38, 39) • पतरस तुरन्त ही दोरकास की घर पहुँचे (प्रेरितो 9:40,41) समझाओ कि कैसे पतरस ने पहले प्रार्थना किया, उसके साथ बात किया, उसे हाथ देकर उसे उठाया। दोरकास अब जीवित थी! इस खुशी के मौके को उस दुख भरी समय से तुलना करो जब पतरस घर पहुँचे थे। यह एक अलौकिक कर्म था जिसे पतरस सिर्फ अपने अन्दर के प्रभु यीशु के शक्ति के द्वारा ही कर सकता था। • अनेक लोगों ने प्रभु यीशु पर विश्वास किया (प्रेरितो 9:42) • दोरकास को जीवित देख कर जैसे लोगों ने विश्वास किया उसी तरह हमें भी विश्वास करना चाहिए। • इसका व्याख्या करे-हमे एहसास होना चाहिए की वे परमेश्वर का पुत्र है, वे जीवित है और हमारे पापों को मिटाने का शक्ति उनको है। यीशु पर विश्वास करने का मतलब है कि हम पूरी तरह से उन पर भरोसा करते है। <p>बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।</p>
सीखने	<p>मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो -प्रेरितो 9:42 समझाओ कि वे प्रभु पर विश्वास क्यों किया? प्रभु पर विश्वास करना हमारे लिए महत्वपूर्ण क्यों है? एक व्यक्ति कैसे प्रभु पर विश्वास करते है।</p>
याद करने	<ul style="list-style-type: none"> • दोरकास कहा रहती थी? • उसने दूसरों की मदद कैसे की? • उसने क्यों दूसरों को मदद किया? • दोरकास के मौत पर लोगों ने कैसा महसूस किया? • पतरस को ढूढने कौन गए? • दोरकास के बिस्तार के पास घुटने टेक कर पतरस ने क्या किया? • पतरस ने दोरकास से क्या कहा? • दोरकास से बात करने के बाद पतरस ने क्या किया? • दोरकास को फिर से जीवित देखकर लोगों ने क्या किया? • मुख्य पद कहाँ पाया जाता है?

A 8 कहानी 2

पतरस का दर्शन - यह कहानी सभी के लिए परमेश्वर के प्यार के बारे में है।

	<p>हम सीख रहे की :</p> <ul style="list-style-type: none"> • पतरस आजाकारी था और परमेश्वर के वचन का पालन करता था। • परमेश्वर हर एक को प्यार करता है और चाहता है कि प्रभु यीशु का सुसमाचार हर कोई सुने। <p>मुख्य पद: यूहन्ना 3:16 बाइबल पाठ: प्रेरितो 10:9-23</p>
प्रस्तुत करने	<ul style="list-style-type: none"> • बच्चों को चित्रों के सहायता से समझाओ कि विभिन्न देशों के लोग कैसे अलग है। • त्वचा के रंग, बालों, कपड़े, भाषाओं के मतभेदों के बारे में बात करे। • परमेश्वर सबका सृष्टिकर्ता है। वे चाहता है कि हर एक व्यक्ति अपने बारे में और उसके पुत्र, प्रभु यीशु के बारे में जाने।
सिखाने	<ul style="list-style-type: none"> • जब पतरस याफा में प्रार्थना कर रहा था (A 8 कहानी 1 से कडी जोड़ो) परमेश्वर ने उनको सिखाया की वह हर किसी को प्यार करता है। (प्रेरितो 10:9-16) लेवल 2 के बच्चों से स्पष्ट करो की पतरस को यह बात समझना बहुत ही मुश्किल था क्योंकि वे एक यहूदी था और अब तक वह सोचता था कि केवल यहूदी ही परमेश्वर के लिए महत्वपूर्ण थे। पतरस को यह समझना ज़रूरी था कि हर कोई परमेश्वर के लिए खास है। • तीन लोग आकर पतरस से उनके साथ कुरनेलियुस के घर आने के लिए आमन्त्रित किया। (प्रेरितो 10:17-22) समझाओ कि कुरनेलियुस एक विशिष्ट रोमी सुबेदार था जो परमेश्वर के बारे में अधिक जानने के लिए उत्सुक था। कुरनेलियुस पतरस के तरह नहीं था और आमतौर पर पतरस वहाँ नहीं जाते। व्याख्या करो कि पतरस अब जानता था कि वहाँ जाना ही सही है। पतरस में इतना बदलाव कैसे आया? (1) क्योंकि परमेश्वर ने उन्हें समझाया (2) पवित्र आत्मा उनका मार्ग दर्शन कर रहे थे। • पतरस 40 मील दूर कैसरिया में पतरस के घर पहुँचा (प्रेरितो 10:23) इतने दूर यात्रा करना बहुत ही कठिन रहा होगा। लेकिन परमेश्वर का आज्ञा पालन करके पतरस निकल पडा। • स्पष्ट करो की परमेश्वर चाहता है कि हर एक यह जाने कि वे उन्हें प्यार करते है। उन्होंने अपने पुत्र को हमारे पापों से उद्धार के लिए क्रूस पर मरने भेजा। • अगर आप पहले से ही प्रभु यीशु में विश्वास करते है तो आप दूसरों को उसके बारे में जानने में मदद कर सकते है। <p>बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।</p>
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो - यूहन्ना 3:16
याद करने	<ul style="list-style-type: none"> • पतरस किसके साथ रहता था? • दोपहर को पतरस क्या कर रहा था? • जब परमेश्वर ने पतरस से बात किया तो वे क्या चाहता था कि पतरस समझे? • कितने लोग पतरस को मिलने आए थे? • पतरस को किसे मिलने जाना था? • कुरनेलियुस क्या करता था? • पतरस ने दोरकास से क्या कहा? • पतरस ने कुरनेलियुस के घर क्यों गए? • परमेश्वर ने यह कैसे दिखाया कि वह दुनिया के हर किसी से प्यार करता है? <p>इस कहानी को अभिनीत करे</p>

A 8 कहानी 3

पतरस और कुरनेलियुस - यह कहानी परमेश्वर एक रोमन सुबेदार की रक्षा करने कि बारे में है।

	<p>हम सीख रहे की :</p> <ul style="list-style-type: none"> • कुरनेलियुस पहला युनानी था जो यीशु पर विश्वास किया। यह कैसे सम्भव हुआ। • जो कोई भी परमेश्वर पर विश्वास करता है उनके पापों को क्षमा करने के लिए वे तैयार है। <p>मुख्य पद: प्रेरितो 10:43 बाइबल पाठ: प्रेरितो 10:23-48</p>
प्रस्तुत करने	<ul style="list-style-type: none"> • क्योंकि यह पिछली कहानी की पुनरारम्भ है यह उचित होगा अगर कहानी 2 के प्रश्नोत्तरी का उपयोग करके पुनः अवलोकन करे। • ऐसे करने के बाद बच्चों को ऐसे एक उदाहरण दो जहाँ उनके समाज के लोग खबर सुनने के लिए इकट्ठे होते है।
सिखाने	<ul style="list-style-type: none"> • पतरस कुरनेलियुस का घर पहुँचता है (प्रेरितो 10:24-33) इस नज़ारे को दर्शाओ-पतरस को मिलने के लिए उत्सुक परिवार वालों और दोस्तों से भरा हुआ कुरनेलियुस का घर। पतरस को देखते ही कुरनेलियुस ने उसके पावों पर गिरकर प्रणाम किया। पतरस ने उसे मना किया क्योंकि एक साधारण व्यक्ति के सामने सिर झुकाना गलत है। फिर कुरनेलियुस ने व्याख्या किया की परमेश्वर ने उन्हें पतरस को मिलने के लिए कहा था। <i>आप बता सकते है कि परमेश्वर ऐसे एक मुलाकात के लिए उन दोनों को तैयार कर रहे थे।</i> • पतरस का सन्देश। (प्रेरितो 10:34-43) <i>विस्तार से बताओ कि कैसे पतरस ने उन्हें बताया कि परमेश्वर चाहता है कि हर राष्ट्र के लोग उस पर विश्वास करें।</i> • उन तथ्यों के बारे में बात करे जो उन्होने उनसे प्रभु यीशु के बारे में बताया था- उसने अच्छे काम कैसे किए? लोगों को चन्ना किया? उसे मार दिया गया और परमेश्वर ने फिर उसे पुनर्जीवित किया। प्रभु एक दिन न्यायाधीश होगा लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि जो लोग आज उन पर विश्वास करते है उसके पापों का क्षमा करने के लिए वह तैयार है। • सुननेवालों की प्रतिक्रिया (प्रेरितो 10:44-48) पतरस ने जो कुछ भी इन लोगों को बताया उसे समझने के लिए पवित्र आत्मा में उनके मदद किया। उन्होने प्रभु पर विश्वास करके अपने पापों से क्षमा प्राप्त किया। • <i>समझाओ कि जब हम प्रभु यीशु के बारे में सुसमाचार सुनते है हम भी इन लोगों कि तरह प्रतिक्रिया करना चाहिए। उस पर विश्वास करके हमे भी हमारे पापों से क्षमा प्राप्त कर सकते है।</i> <p>बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।</p>
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो - प्रेरितो 10:43
याद करने	प्रश्नोत्तरी के जगह अच्छा होगा अगर बच्चे एक चार्ट पेपर पर मुख्य पद लिखे और उसके चारों ओर अपने चित्र या परचे पर नाम लिखकर चिपकाएँ।

A 8 कहानी 4

पतरस की बचाव - यह कहानी परमेश्वर प्रार्थना के उत्तर देने के बारे में है।

	<p>हम सीख रहे की :</p> <ul style="list-style-type: none"> • पतरस के दोस्तों ने उनके लिए प्रार्थना किया। • हमारे प्रार्थना के उत्तर में परमेश्वर खास कार्य कर सकते है। <p>मुख्य पद: याकूब 5:16 बाइबल पाठ: प्रेरितो 12:1-19</p>
प्रस्तुत करने	<ul style="list-style-type: none"> • हमारे दोस्तों से टेलिफोन द्वारा बात करने या किसी से मदद माँगने के बारे में बात करें। • प्रार्थना को परमेश्वर से बात करने से सन्कल्प करे। परमेश्वर प्रत्यक्ष रूप से हमे जवाब नही देते। लेकिन वह हमेशा सुनता है। प्रार्थना के उत्तर देने के लिए वे सक्षम है। • आज की कहानी में दोस्तों के झुण्ड ने एक अहम कार्य के बारे में परमेश्वर से प्रार्थना की।
सिखाने	<ul style="list-style-type: none"> • पतरस बन्दीगृह में। (प्रेरितो 12:1-4) राजा हेरोदेस यीशु के शिष्यों को नफरत करता था। याकूब का वध किया गया। बाद में पतरस को गिरफ्तार करके बन्दीगृह में डाल दिया। याद करो कि पिछले बार पतरस के साथ ऐसा कब हुआ था। (प्रेरितो 5: A/ 7 कहानी 3) • पतरस के दोस्तों की प्रार्थना (प्रेरितो 12:5) चर्चा करो कि यह सबसे अच्छी बात क्यों थी। • बन्दीगृह से मुक्त। (प्रेरितो 12:6-10) यह पतरस की सुनवाई से पहले की रात थी। पतरस दो सिपाहियों के बीच ज़ंजीरो से बन्धा हुआ था लेकिन वह गहरी नीन्द में था। विवरण करो कि स्वर्गदूत ने कैसे नाटकीय रूप से पतरस को मुक्त किया था। पतरस को लगा की वह सपना देख रहा था। • पतरस अपने दोस्तों के घर। अन्त में जब पतरस गली में पहुँचा वह समझ गया कि परमेश्वर ने उसे बचा लिया था। अब पतरस कैसे महसूस कर रहा होगा? तुरन्त ही वह अपने दोस्त के घर गए (प्रेरितो 12:11-17) उस वारदात के बारे में विवरण करो। जब पतरस के दस्तक पर रूढे ने दरवाज़ा खोला था। क्या उन्हे आश्चर्यचकित होना चाहिए था? • उन परिस्थितियों पर चर्चा करे जब हम परमेश्वर से प्रार्थना कर सकते है। परमेश्वर हमेशा उत्तम तरीके से हमारी प्रार्थना का उत्तर देंगे। • जब परमेश्वर हमारी प्रार्थना का उत्तर देता है हमें उनका धन्यवाद करके स्तुति करना चाहिए। <p>बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।</p>
सीखने	<p>मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो -याकूब 5:16। यह पद हमें बताती है कि हमारी प्रार्थना वास्तव में एक अन्तर ला सकती है।</p>
याद करने	<ul style="list-style-type: none"> • पतरस को बन्दीगृह किसने डाला था? • राजा हेरोदेस किसका हत्या किया था? • जब परमेश्वर ने स्वर्गदूत को उनके पास भेजा तब पतरस क्या कर रहा था? • पतरस के दोस्त इकट्ठे क्यों थे? • स्वर्गदूत ने पतरस को क्या करने को कहा? • पतरस बन्दीगृह के फाटक से कैसे बाहर निकला? • जुदा होने से पहले स्वर्गदूत ने पतरस के साथ कितने दुर तक चला? • वह किसका घर गया? • पतरस को दरवाज़ा पर किसने देखा? • रूढे ने पहले दरवाज़ा क्यों नहीं खोला? <p>जोड़ों में उस भाग का नाटकीय दुश्य प्रस्तुत करें जहाँ पतरस बन्दीगृह से मुक्त होता है।</p>

A 9 कहानी 1

याकूब अपने भाई को धोखा दिया- यह कहानी खुदगर्ज होने के बारे में है।

	<p>हम सीख रहे की :</p> <ul style="list-style-type: none"> • खुदगर्ज होने का मतलब है दूसरों को कष्ट पहुँचाकर भी अपने आप को अहमियत देना। • याकूब की तरह हम भी स्वार्थी हो सकते हैं और यह परमेश्वर के विरुद्ध पाप है। <p>मुख्य पद: उत्पत्ति 25:28 या फिलिप्पियों 2:3</p> <p>बाइबल पाठ: उत्पत्ति 25:19-34</p>
प्रस्तुत करने	<ul style="list-style-type: none"> • क्या आप किसी जुड़वे बच्चों को जानते हो? व्यक्तित्व और रंग-रूप में क्या वे अलग या एक समान दिखते हैं? क्या आप कभी अपने भाई-बहन से लड़ते हैं? • खुदगर्ज होने का मतलब क्या है? क्या आप ऐसे कोई मौके के बारे में याद कर सकते हैं जब किसी ने स्वार्थी ढंग से बरताव करके आपको दुख पहुँचाया है। • यह कहानी उन दो भाईयों के बारे में है जिसके आपस का सम्बन्ध अच्छी नहीं थी। एक ने सिर्फ अपने बारे में सोचा और अपने भाई को धोखा दिया।
सिखाने	<ul style="list-style-type: none"> • इसहाक और रिबका जुड़वा बच्चों के इन्तज़ार में थे। बच्चों के जन्म के पहले परमेश्वर ने रिबका से कहा की बड़ा बेटा छोटे की सेवा करेंगे (उत्पत्ति 25:19-23) • जब जुड़वाँ पैदा हुए यह स्पष्ट था कि वे बहुत भिन्न होने जा रहे थे। बड़ा बेटा एसाव रोममय था लेकिन याकूब चिकने चमड़े वाला था (उत्पत्ति 25:24-26) वे भिन्न चीज़ों को पसन्द करते थे- एसाव एक चतुर शिकारी बना और याकूब घर में रहना पसन्द करता था। इसहाक एसाव को पसन्द करता था लेकिन रिबका याकूब को चाहता था। (उत्पत्ति 25:27,28) • एक दिन याकूब दाल पका रहा था और एसाव शिकार के लिए निकला। बच्चों को इस नज़ारे की कल्पना करने में मदद करें- थका और भूका एसाव, स्वादिष्ट दाल की सुगन्ध उसे तुरन्त थोड़ा चाहिए था। लेकिन याकूब बड़ा चालाक था। तुरन्त उसने कहा की दाल उसे तभी मिलेगा जब वह अपना पहिलौटे अधिकार बदले में उन्हें देंगे। पहिलौटे अधिकार के बारे में उन्हें समझाओ आम तौर पर पहिलौटे अधिकार बड़े बेटे को मिलता है। इसका मतलब पिता के निधन के बाद सारा अधिकार उन्हें मिलेगा और दोलत का दुगुना हिस्सा भी मिलेगा। • एसाव ने सोचने के लिए एक पल भी नहीं लिया। क्योंकि वह बहुत भूखा था। वह अपने भाई के चालाकी में फसा और अपना अधिकार उसे दिया। (प्रेरितो 25:29-34) दोनों के बरताव के बारे में चर्चा करो। याकूब ने जो किया वह क्या सही था? क्या एसाव का अपना अधिकार को ऐसे बेचना सही था? • क्या आपको लगता है कि परमेश्वर याकूब और एसाव से प्रसन्न थे? • अक्सर हम याकूब और एसाव कि तरह हम सिर्फ अपने बारे में सोचते हैं। जब हम मतलबी होते हैं तब हम परमेश्वर के खिलाफ पाप कर रहे हैं। <p>बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।</p>
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो - उत्पत्ति 25:28; फिलिप्पियो 2:3
याद करने	<ul style="list-style-type: none"> • कहानी में दो लड़कों के नाम क्या थे? • दो चीज़ों बताओ जिसमें लड़के भिन्न थे? • पहिलौटे अधिकार क्या होता है? • याकूब पहिलौटे अधिकार को क्यों चाहता था? • याकूब ने एसाव को कैसे धोखा दिया? • हम इस कहानी से क्या सबक सीख सकते हैं?

A 9 कहानी 2

याकूब पिता को धोखा देता है- यह कहानी इस बारे में है कि कैसे याकूब ने धोखा दिया।

	<p>हम सीख रहे की :</p> <ul style="list-style-type: none"> • रिबका और याकूब इसहाक को धोखा देना चाहते है। • धोखेबाज़ी और झूठ परमेश्वर के आँखों में गलत है। <p>मुख्य पद: उत्पत्ति 27:20 या भजन संहिता 32:2</p> <p>बाइबल पाठ: उत्पत्ति 27:1-29</p>
प्रस्तुत करने	<ul style="list-style-type: none"> • झूठ बोलने का मतलब क्या है? • इस कहानी में याकूब अपने पिता से झूठ बोलता है और इस झूठ से उनके पिता और भाई को बहुत दुख पहुँचाया। • क्या आप किसी और कहानी जानते हो जहा किसी के झूठ ने दुसरे को दुख पहुँचाया है?
सिखाने	<ul style="list-style-type: none"> • इसहाक बूढ़ा और अन्धा था। वह अपनी मृत्यु से पहले अपने बड़े बेटा एसाव को आर्शीवाद देना चाहता था। उसने एसाव से विशिष्ट भोजन तैयार करने को कहा। (उत्पत्ति 27:1-4) • रिबका ने चुपके से सब सुन लिया था कि इसहाक एसाव को आर्शीवाद देने वाले हे इसलिए उसने याकूब के साथ मिलकर इसहाक को चकमा देने का योजना बनाया जिससे एसाव के जगह याकूब को आर्शीवाद मिले। फिर रिबका ने एक विशिष्ट भोजन तैयार किया और बकरियों के खालों को याकूब की हाथों और गले में लिपटा दिया। ताकि वह एसाव के तरह रोममय लगे। (उत्पत्ति 27:5-17) <i>बच्चों को याद दिलावो की हर एक माता-पिता को अपने पसन्दिदा बच्चे होते है। इसके कारण परिवार में बहुत सारे परेशानियाँ हो सकते है और ऐसा करना अन्यायी भी है।</i> • याकूब ने जाकर इसहाक को भोजन दिया। उसने अपने पिता से झूठ बोला और एसाव होने का नाटक किया। इसहाक हैरान था यह सोचकर कि एसाव ने इतनी जल्दी भोजन का प्रबन्ध कैसे किया। (उत्पत्ति 27:18-20) <i>क्या आपको लगता है कि परमेश्वर रिबका और याकूब के कारनामे से प्रसन्न थे?</i> • इसहाक फिर भी शक़ी थे। क्या यह असल में एसाव था? वह यह सुनिश्चित करना चाहता था इसलिए उसने याकूब के हाथों को महसूस किया। हाथ थो एसाव के तरह था लेकिन आवाज़ याकूब कि तरह। इसहाक उलझन में पडा लेकिन याकूब ने फिर झूठ बोल कर कहा कि वह एसाव ही था। (उत्पत्ति 27:21-24) • इसहाक ने याकूब से लाया भोजन को खाया। खतम करने के बाद उसने याकूब को आर्शीवाद दिया, यह सोचते हुए कि वह एसाव था (उत्पत्ति 27:25-29) <i>बाद में जब इसहाक को पता चला कि उससे झूठ बोला गया था उसे कैसा महसूस हुआ होगा।</i> • परमेश्वर ने हमें झूठ न बोलने का आदेश क्यों दिया? • प्रभु यीशु के उदाहरण पर विचार करे। <p>बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।</p>
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो - उत्पत्ति 27:20 और भजन संहिता 32:2
याद करने	<ul style="list-style-type: none"> • इसहाक का पसन्दीदा पुत्र कौन था? • रिबका का पसन्दीदा पुत्र कौन था? • अपने मृत्यु के पहले इसहाक एसाव को क्या देना चाहता था। • क्या रिबका चाहती थी कि एसाव को आर्शीवाद मिले? क्यों? • रिबका और याकूब ने इसहाक को धोखा कैसे दिया? • इसहाक याकूब को क्यों पहचान नहीं पाया? • क्या आपको लगता है कि इस कहानी में रिबका और याकूब ने परमेश्वर को प्रसन्न किया? क्यों?

A 9 कहानी 3

याकूब और परमेश्वर का मिलन - यह कहानी परमेश्वर की परवाह के बारे में है।

	<p>हम सीख रहे की :</p> <ul style="list-style-type: none"> • हम परमेश्वर पर भरोसा कर सकते है क्योंकि वह अपना वादा हमेशा पूरा करता है। • परमेश्वर हमारा परवाह करता है। <p>मुख्य पद: उत्पत्ति 28:16 या भजन संहिता 86:11</p> <p>बाइबल पाठ: उत्पत्ति 28:1-22</p>
प्रस्तुत करने	<ul style="list-style-type: none"> • बच्चों को याद दिलाए कि पिछली कहानी में कैसे याकूब ने एसाव को धोका दिया था। एसाव कुपित था और वह याकूब को मारना चाहता था। याकूब ने घर छोड़ने का फैसला किया। • बच्चों से खुद को याकूब होने की कल्पना करने को कहो। अगर आपको इस तरह से घर छोड़ना पडे तो आपको कैसा महसूस होगा? • बच्चों को समझाओ कि हालाकि याकूब ने अनेक गलत काम किया था लेकिन परमेश्वर अभी भी उसके परवाह करता था और प्यार भी करता था। यह कहानी हमे बताती है कि कैसे परमेश्वर ने स्वयं याकूब के सामने प्रकट किया था।
सिखाने	<ul style="list-style-type: none"> • इसहाक ने याकूब को आशीर्वाद दिया और घर छोड़कर हारान में मामा लाबान को जाकर मिलने कि निर्देश दिया। वहाँ वह अपनी पत्नी से मिलने वाला था। (28:1-5) • इस सफर के दौरान याकूब रात को आराम करने के लिए रुका। उसने एक पत्थर को तकिया बनाया। <i>कल्पना करो कि यह कैसा अनुभव होगा।</i> जब वह सो रहा था उसने एक सपना देखा। उसमे एक सीढ़ी जो पृथ्वी से स्वर्ग तक पहुँचा है और स्वर्गदूत उस पर से चढ़ते और उतर रहे थे। (28:10-12) • परमेश्वर उस सीढ़ी के सिरे पर खड़ा था। उसने याकूब को आशीर्वाद दिया कि उसे एक बड़ा वंश होगा। परमेश्वर याकूब के साथ होने का वादा किया। एक दिन परमेश्वर याकूब को फिस से घर वापस लाएगा। (28:13-15) <i>वादा के बारे में चर्चा करो? क्या हम हमेशा हमारे वादे रखते है? बच्चो को समझाओ कि परमेश्वर हमेशा अपना वादा निभाता है।</i> • जब याकूब जाग उठा वह समझ गया कि असल में परमेश्वर उस जगह में था। <i>याकूब अपने जीवन में अनेक गलतियाँ किया था जो परमेश्वर को बिल्कुल पसन्द नहीं था। लेकिन अब भी परमेश्वर उसका परवाह करता था। फिर उसने उस पत्थर को लिया जिसे उसने तकिया के लिए इस्तमाल किया और उस पर तेल डाला। उसने उस जगह का नाम बेतेल रखा। याकूब ने वादा किया कि अगर परमेश्वर उसका साथ रहकर उसे धर वापस लाएगा तो यहोवा को वह परमेश्वर मानेंगे। याकूब को अब भी यह जानने की आवश्यकता है कि भगवान हमेशा अपने वादे को रखता है।</i> • <i>हम भी याकूब के तरह है क्योंकि हमने भी कई गलत काम किए हे। लेकिन परमेश्वर हम से हर एक को याकूब के तरह प्यार करता है और परवाह भी करता है। समझाओ कि परमेश्वर ने अपने पुत्र को क्रूस पर मरने को भेजा। प्रभु यीशु उस 'सीढ़ी' के तरह है जो हमे स्वर्ग में परमेश्वर तक ले जाएँगे।</i> <p>बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।</p>
सीखने	<p>मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो -उत्पत्ति 28:16 और भजन संहिता 86:11</p>
याद करने	<ul style="list-style-type: none"> • याकूब को घर क्यों छोड़ना पडा? • याकूब तकिये के लिए क्या इस्तमाल किया? • याकूब ने सपने में क्या देखा? परमेश्वर ने उससे क्या कहा? • याकूब के गलतियों के बावजूद क्या परमेश्वर उसे अभी भी प्यार करता था? • हम कैसे जानते है कि भगवान हमारा परवाह करता है? • याकूब ने उस पत्थर के साथ क्या किया? • प्रभु यीशु उस सीढ़ी के तरह कैसे है?

A 9 कहानी 4

याकूब को पत्नी मिलता है - यह कहानी याकूब के साथ उसके नाना का व्यवहार के बारे में है।

	<p>हम सीख रहे की :</p> <ul style="list-style-type: none"> • धोखेबाज़ याकूब खूद धोखा खा गया। • हम दुसरे से वैसे ही व्यवहार करनी चाहिए जैसे हम चाहते हैं की वे हमारे साथ करे। <p>मुख्य पद: उत्पत्ति 29:28 और गलतियों 6:7</p> <p>बाइबल पाठ: उत्पत्ति 29:1-30</p>
प्रस्तुत करने	<ul style="list-style-type: none"> • क्या आपने कभी एक ऐसे परिवार के साथ रहने के लिए गए हैं जिसे अपने पहले कभी नहीं मिला हो? आप का अनुभव कैसा था? उस वक्त का कोई एक घटना के बारे में बताएँ। बच्चों को याद दिलाए की याकूब अपने चाचा के साथ हारान में रहने जा रहा था। • कुछ नए किरदार को प्रस्तुत करे: लाबान और उसकी बेटियाँ, लिआ और राहेल। • इस कहानी में याकूब को यह पता लगता है कि धोखा खाने का एहसास क्या होता है।
सिखाने	<ul style="list-style-type: none"> • याकूब हारान के रास्ते में था। सफर के अन्त में वे कुछ चरवाहों से कूएँ के पास मिले। वे अपने मामा लाबान को जानते थे (उत्पत्ति 29:1-8) • लाबान के बेटे राहेल कुछ भेड़-बकरियों को लेकर कूएँ के पास पहुँचा। याकूब ने कूएँ के मूँह से पत्थर हटाकर पानी लेने में मदद किया। (उत्पत्ति 29:9-10) • याकूब ने राहेल को अपना पहचान बताया। वह दौड़कर अपने पिता को खबर दिया और लाबान ने याकूब को उसके साथ रहने के लिए आमन्त्रित किया। (उत्पत्ति 29:11-14) उनके आपस के बातचित के बारे में कल्पना करे। • याकूब लाबान के लिए काम करना शुरू कर दिया। राहेल को अपनी पत्नी के रूप में प्राप्त करने के लिए सात साल याकूब ने वहाँ काम किया। वह ऐसा करने के लिए तैयार था क्योंकि वह राहेल को प्यार करता था (उत्पत्ति 29:15-20) • लेकिन तब लाबान ने याकूब को धोखा दिया। राहेल के जगह उसने लिआ को पत्नी के रूप में दिया। (उत्पत्ति 29:21-27) जब उसने देखा कि उसे धोखा दिया गया है तब उसने कैसे महसूस किया होगा? बच्चों से उन तरीकों को याद करने कहे जिससे याकूब ने दूसरों को धोखा दिया था। • याकूब ने राहेल से भी शादि किया लेकिन फिर सात साल काम करना पडा। (उत्पत्ति 29:29-30) ऐसे लगता है लाबान ने याकूब को पूरी तरह से चकमा दिया था। • क्या आपको लगता है कि याकूब को अपने करतूतों पर पछतावा हुआ होगा? • कई लोगों को लगता है कि याकूब को वह मिला जिसका वह लायक था। बच्चों से इसके बारे में चर्चा करे। <p>बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।</p>
सीखने	<p>मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो -उत्पत्ति 29:28 और गलतियाँ 6:7</p>
याद करने	<ul style="list-style-type: none"> • लाबान कहाँ रहता था? • लाबान की बेटियों का नाम क्या था? • हारान पहुँचकर याकूब ने राहेल का मदद कैसे किया? • याकूब को किस बेटे से प्यार था? • राहेल को पत्नी के रूप में मिलने के लिए याकूब कितने साल काम करने तैयार था? • लाबान ने याकूब को कैसे धोखा दिया?

A 10 कहानी 1

स्तिफनुस प्रभु यीशु केलिए प्राण देता है - यह कहानी प्रभु यीशु केलिए स्तिफनुस के महान प्रेम के बारे में है।

	<p>हम सीख रहे की :</p> <ul style="list-style-type: none"> • स्तिफनुस परमेश्वर से प्यार करता था और अपने दुशमनों से भी प्यार करता था। • जब स्तिफनुस पर पथराव हो रहा था तब यीशु स्तिफनुस के साथ ही था और स्वर्ग में उसका इन्तज़ार कर रहा था। <p>मुख्य पद: 1 यूहन्ना 4:19 बाइबल पाठ: प्रेरितो 6:8-15; 7:54-60</p>
प्रस्तुत करने	<ul style="list-style-type: none"> • बच्चों से ऐसे समय के बारे में पूछो जब उन्होंने किसी की मदद किया है। • अगर आप किसी की मदद करने की कोशीश करते हैं और वे इन्कार करे तो आपको कैसा लगेगा? क्या होगा अगर उन्होंने गाली- गलौज किया और आपको ठेस पहुँचाने का भी कोशिश कि? • आज की कहानी बाइबल के ऐसे एक व्यक्ति के बारे में है जो दूसरों का मदद करता था। चलो पता करते हैं कि दूसरों ने उसके साथ कैसे बरताव किया।
सिखाने	<ul style="list-style-type: none"> • स्तिफनूस प्रभु यीशु से प्यार करता था। उन्होंने दूसरों को मदद करने केलिए कई अलौकिक कर्म किए। लेकिन कुछ यहूदी लोग उसे या यीशु को पसन्द नहीं करते थे। उन्होंने चुपके से उसे नुकसान पहुँचाने का निर्णय लिया। क्योंकि वे उसे यीशु के बारे में लोगों को बताने से रोकना चाहते थे। (प्रेरितो 6:8-11) • इन लोगों ने स्तिफनूस के बारे में झूठ कहा और लोगों को भडकाया और उसे पकडकर महासभा के सामने ले आया ताकि अदालत यह तय कर सके कि उनके साथ क्या किया जाएँ। उन्होंने झुठे गवाह भी खडे किए (प्रेरितो 6:12-15) • भले ही यीशु और स्तिफनूस के बारे में झुठ बोले जा रहे थे फिर भी स्तिफनूस कभी नाराज़ नहीं हुआ। लोग देख सकते थे कि यीशु उसका साथ था- उसल में उसका चेहरा स्वर्गदूत जैसा दिखा (प्रेरितो 6:15) स्तिफनूस ने यीशु का समर्थन किया और इसके कारण लोग और क्रोधित हो गए (प्रेरितो 7:54) डरने के बजाय स्तिफनूस ने स्वर्ग के और देखा और यीशु को वहाँ खडा हुआ देखा। (प्रेरितो 7:55-56) <i>यीशु को देखकर स्तिफनूस ने कैसा महसूस किया होगा?</i> • लोग स्तिफनूस पर अधिक क्रोधित हो जाते हैं आगे कुछ और सुनने से इनकार करते हैं। उन्होंने स्तिफनूस को नगर के बाहर ले गया और मारने केलिए उस पर पथराव करने लगे। इस सबके बीच में स्तिफनूस ने प्रार्थना किया, ताकि यीशु उनके आत्मा को ग्रहण करे और उन लोगों को माफ करे। यह कहने के बाद वह मर गया। (प्रेरितो 7:57-60) • <i>मरने के पहले स्तिफनूस ने परमेश्वर से अपने विरोधियों केलिए कुछ माँगा- उसने ऐसा क्यों किया होगा?</i> • <i>हमारे बुरे काम केलिए हमें कैसे क्षमा मिल सकते हैं?</i> <p>बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।</p>
सीखने	<p>मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो -1 यूहन्ना 4:19 व्यक्त करो कि स्तिफनूस ने प्रभु यीशु केलिए अपनी प्राण देकर उनके लिए अपने प्यार का प्रदर्शन किया। प्रभु यीशु ने पहले ही स्तिफनूस केलिए क्रूस पर प्राण देकर अपना प्यार दिखाया था।</p>
याद करने	<ul style="list-style-type: none"> • स्तिफनूस कलिसिया में सेवक थे वह सेवा कैसे करता था? • क्या सभी लोग स्तिफनूस को प्यार करते थे? क्यों नहीं? • यहूदी ने लोगों को स्तिफनूस के खिलाफ कैसे भडकाया? • यीशु और अपने खिलाफ कहे गए झुठ सुनकर स्तिफनूस ने क्या किया? • जब स्तिफनूस ने स्वर्ग के और आखँ उठाया अब उसने क्या देखा? • लोगों ने स्तिफनूस के साथ क्या किया? • स्तिफनूस ने क्या प्रार्थना किया? • हमें कैसे क्षमा मिल सकते हैं?

A 10 कहानी 2

फिलिप्पुस सुसमाचार बाँटता है- यह कहानी एक कूशी व्यक्ति प्रभु यीशु पर विश्वास करने के बारे में है।

	<p>हम सीख रहे की :</p> <ul style="list-style-type: none"> • हमारी पापों से क्षमा पाने के लिए प्रभु यीशु पर विश्वास करना जरूरी है। • परमेश्वर अपने वचन- बाइबल के कठिन हिस्सों को समझने में हमारी मदद करता है। <p>मुख्य पद: प्रेरितो 8:35</p> <p>बाइबल पाठ: प्रेरितो 8:26-40</p>
प्रस्तुत करने	<ul style="list-style-type: none"> • बच्चों से पूछो कि रेगिस्तान कैसा है। यह कैसे दिखता है? वहाँ कैसा महसूस होगा? अगर आप से रेगिस्तान जाकर एक अजनबी से बात करने को कहा जाए, क्या आप चले जाएंगे? • एक ऐसे घटना की याद करो जब आपको कुछ समझना मुश्किल हुआ हो, आपका मदद किसने किए?
सिखाने	<ul style="list-style-type: none"> • फिलिप्पुस ने यीशु पर विश्वास किया और नगरों और शहरों में सुसमाचार का प्रचार किया। एक दिन स्वर्गदूत ने उसे रेगिस्तान के ओर चलने को कहा। फिलिप्पुस के मन में क्या चल रहा होगा? <i>विवरण करो कैसे फिलिप्पुस ने अपने तरफ एक रथ को आते हुए देखा वह कूश से एक विशिष्ट व्यक्ति था। (प्रेरितो 8:26-28) कूशी व्यक्ति को किसके बारे में सुनना जरूरी था?</i> • पवित्र आत्मा ने फिलिप्पुस को रथ के पास जाने को कहा। वह पुराने नियम के यशायाह के पुस्तक ज़ोर से पढ़ रहा था। फिलिप्पुस ने उससे पूछा कि जो वे पढ़ रहा है क्या वे उसे समझता है। लेकिन कूशी व्यक्ति उलझा हुआ था। <i>(प्रेरितो 8:29-31) उस भाग में भेड कि तरह वध किए जाने वाले व्यक्ति के बारे में कहा गया है। (समझाओ कि जब भेड को कसाईखाना में ले जाया जाता है तो भेड कोई हलचल नहीं मचाता। फिलिप्पुस ने समझाया कि वह पद यीशु हमारे लिए क्रूस पर मरने के बारे में है। मरने के लिए यीशु कि तत्परता के बारे में है। मरने के लिए यीशु कि तत्परता के बारे में विस्तार से समझाओ।</i> • कूशी व्यक्ति को एहसास हो गया कि वह पापी है और उद्धार पाना जरूरी है। बिना देर किया उसने विश्वास किया कि मसीह उनके लिए मरा था। <i>(प्रेरितो 8:32-35)</i> • फिलिप्पुस ने उसे बपतिस्मा दिया और दिखाया कि वह अब यीशु का अनुयायी है। <i>(बपतिस्मा को विस्तार से समझाओ) उनके जीवन में आए खुशी और परिवर्तन को व्यक्त करो।</i> • पवित्र आत्मा ने फिलिप्पुस को उठा ले गया ताकि वे दूसरे लोगों को भी सुसमाचार सुनाए <i>(प्रेरितो 8:36-40)</i> • परमेश्वर चाहता है कि हर एक यह जाने कि यीशु ने उनके पापों के लिए क्रूस पर मरा। उन लोगों के बारे में बात करे जो सुसमाचार के प्रचार करता है। हमें आभारी होना चाहिए कि हमने भी सुसमाचार सुना है। <p>बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।</p>
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो - प्रेरितो 8:35
याद करने	<ul style="list-style-type: none"> • स्वर्गदूत ने फिलिप्पुस को कहाँ जाने को कहा? • वह व्यक्ति किस देश से था? • फिलिप्पुस ने उनके पास क्यों गया? • वे किस भाग से पढ़ रहा था? • फिलिप्पुस ने जब यीशु के बारे में समझाया तो उस व्यक्ति ने क्या किया? • उनका बपतिस्मा कहाँ हुआ? • घर वापस जाते वक्त वह कैसा महसूस कर रहा था? • हमारे पापों से हमें उद्धार कैसे मिलेंगे?

A 10 कहानी 3

शाऊल और एक चमकती ज्योति- यह कहानी जीवन में परिवर्तन लानेवाले परमेश्वर की शक्ति के बारे में है।

	<p>हम सीख रहे की :</p> <ul style="list-style-type: none"> • यीशु हर किसी से प्यार करता है और सभी के लिए अपना प्राण दिया। • केवल यीशु को हमारे जीवन में परिवर्तन लाने का शक्ति है। <p>मुख्य पद: 2 कुरिन्थियों 5:17</p> <p>बाइबल पाठ: प्रेरितो 9:1-9</p>
प्रस्तुत करने	<ul style="list-style-type: none"> • शाऊल एक यहूदी था जो यीशु से और उनके शिष्यों से नफरत करता था। और वे शिष्यों को मार डालना चाहता था। व्यक्त करो कि वह स्तिफनूस के पथराव के वक्त भी वहाँ मौजूद था • बच्चों से पूछो कि क्या वे शाऊल को अपने मित्र बनाने पसन्द करेंगे? क्यों नहीं?
सिखाने	<ul style="list-style-type: none"> • एक दिन शाऊल चेलों को गिरफ्तार करने दमिश्क के और जा रहा था। (प्रेरितो 9:1,2) रास्ते पर शाऊल की भावनाओं और व्यवहारों के बारे में चर्चा करे। • दमिश्क के निकट पहुँचते ही उनके चारों ओर ज्योति चमकी और वह गिर पडा। शाऊल से क्या कहा गया और उसका जवाब क्या था? (प्रेरितो 9:3-4) • उस शब्द ने उत्तर दिया कि वह यीशु है। शाऊल को अब क्या एहसास हुआ - यीशु परमेश्वर का पुत्र था और वे अब जीवित था। यीशु के बारे में उनके सारे विचार गलत थे। यीशु ने उसे दमिश्क जाने के लिए कहा, जहाँ उसे बताया जाएगा कि आगे क्या करना है। शाऊल के साथियों आश्चर्यचकित रह गए क्योंकि उन्होंने शब्द तो सुना लेकिन किसी को नहीं देखा (प्रेरितो 9:5-7) • जब शाऊल उठा तो वह अन्धा था और उसे शहर ले जाना पडा। तीन दिन के लिए वह अन्धा था और कुछ थी न खाया और पीया। (प्रेरितो 9:8-9) अन्धा होने पर उसे कैसे महसूस हुआ होगा? • चर्चा करो कि प्रभु यीशु ने उन्हे रास्ते में क्यों मिले? बच्चों को याद दिलावो कि शाऊल यीशु और उनके चेलों से नफरत करते थे और चेलों को मार डालना भी चाहता था। लेकिन यीशु उसे प्यार करता था और चाहता था कि वह उसका अनुयायी बने, भले ही वह उस के लिए योग्य नहीं हो। प्रभु यीशु उनके जीवन में परिवर्तन लाने चाहता था। • हमारे पापों को मिटाने और नए जीवन जीने के शक्ति के लिए यीशु की जरूरत है। <p>बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।</p>
सीखने	<p>मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो - 2 कुरिन्थियों 5:17 इसे सिखाएँ और सम्बन्धित करे शाऊल की पिछली जीवन से और इस हकीकत से कि जब कोई 'मसीह में है' तब उनके जीवन बदल के नया बन जाएँगे।</p>
याद करने	<ul style="list-style-type: none"> • शाऊल कहाँ जा रहा था? • वे इस सफर में क्यों जा रहे थे? • उसने क्या देखा? • उसने क्या सुना? • उस शब्द ने क्या कहा? • जब शाऊल को पता चला कि यीशु उससे बात कर रहा है तब उसने क्या एहसास किया? • शाऊल ने तीन दिन तक क्या नहीं किया? • वह एकमात्र व्यक्ति कौन है जो हमे एक नया जीवन जीने की शक्ति दे सकता है।

A 10 कहानी 4

शाऊल का परिवर्तन - यह कहानी परमेश्वर अपने सुसमाचार के प्रचार के लिए शाऊल का उपयोग करने के बारे में है।

	<p>हम सीख रहे की :</p> <ul style="list-style-type: none"> परमेश्वर हमारी मदद करना चाहता है और ज़रूरत होने पर लोगों को हमारे सहायता के लिए भेजता है। शाऊल की तरह आज भी परमेश्वर लोगों के जीवन में परिवर्तन लाता है ताकि वे हमें उपयोगी बना सके। <p>मुख्य पद: प्रेरितो 9:20 बाइबल पाठ: प्रेरितो 9:10-23</p>
प्रस्तुत करने	<ul style="list-style-type: none"> शाऊल की कहानी के पहले भाग की समीक्षा करें- पुराना शाऊल कैसा था? दमिश्क के चेलों को वह पुराने शाऊल के बारे में विचार क्या था? परमेश्वर को उन्हें तैयार करने की आवश्यकता था ताकि वह नए शाऊल को परमेश्वर की परिवार का हिस्सा मान कर उसका स्वीकार करे।
सिखाने	<ul style="list-style-type: none"> परमेश्वर ने सपने में हनन्याह से शाऊल के पास जाने को कहा (प्रेरितो 9:10-12) क्या आपको लगता है हनन्याह जाना चाहता था? क्यों नहीं? हनन्याह को डर था कि शाऊल उसे गिरफ्तार करेंगे या मार डालेंगे। परमेश्वर ने उसे निश्चिन्त रहने को कहा क्योंकि उसने शाऊल को अपने सुसमाचार के प्रचार के लिए चुना था। (प्रेरितो 9:13-16) हनन्याह ने आज्ञाकारी होकर शाऊल के पास गया। और उसे भाई पुकारकर बताया कि प्रभु यीशु ने उसे भेजा था। उसने शाऊल को आँखों पर हाथ रका और वह देखने लगा। शाऊल पवित्र आत्मा से भर गए। फिर उसने बपतिस्मा लिया और भोजन किया। (प्रेरितो 9:17-19) फिर शाऊल ने दमिश्क के अन्य चेलो से मिले। तुरन्त ही परमेश्वर के बारे में प्रचार करना शुरू किया। <i>दमिश्क में शाऊल से मिले लोगों की प्रतिक्रिया के बारे में समझाओ।</i> जो यहूदी शाऊल के परिवर्तन के बारे में सुना था उसे शाऊल का भाषण बिल्कुल पसन्द नहीं था इसलिए वे उसे मारने का योजना बना रहा था। शाऊल दमिश्क में से टोकरे में बैठकर रात को भाग निकला। (प्रेरितो 9:19-25) हमारे पापों को मिटाने और नए जीवन जीने के शक्ति के लिए यीशु की ज़रूरत है। <p>बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।</p>
सीखने	<p>मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो - प्रेरितो 9:20</p>
याद करने	<ul style="list-style-type: none"> परमेश्वर ने हनन्याह से कैसे बात किया? शाऊल के पास जाने से हनन्याह क्यों डरता था? हनन्याह के हाथ रकने पर शाऊल कि आँखों को क्या हुआ? हनन्याह से मुलाकात के बाद शाऊल को और क्या उपहार मिला? शाऊल ने तुरन्त क्या करना शुरू कर दिया? शाऊल को एक टोकरे में बैठकर क्यों बच निकलना पडा? शाऊल की तरह आपके जीवन में परिवर्तन कैसे आ सकता है?

A 11 कहानी 1

पौलूस (शाऊल) अन्ताकिया में - यह कहानी परमेश्वर के काम में मदद करने के बारे में है।

	<p>हम सीख रहे की :</p> <ul style="list-style-type: none"> जो लोग यीशु में विश्वास करते है उन्हें मसीही कहा जाता है। जब हम परमेश्वर पर विश्वास करते है तो उनके पास हमारे लिए एक विशेष योजना है। <p>मुख्य पद: प्रेरितो 11:26</p> <p>बाइबल पाठ: प्रेरितो 11:19-26</p>
प्रस्तुत करने	<ul style="list-style-type: none"> बच्चों से पूछो कि विभिन्न प्रस्थितियों में वे कैसे मदद कर सकते है- आप अपने शिक्षक की मदद कैसे कर सकते है? यदि आपकी माँ बिमार है आप घर पर कैसे मदद करेंगे? समझाओ कि आज की कहानी परमेश्वर के काम में एक साथ मदद करनेवाले दो आदमियों के बारे में है।
सिखाने	<ul style="list-style-type: none"> यीशु की सुसमाचार फैल रही थी और परमेश्वर का कलिसिया बढ़ने लगा। कुछ विश्वासियों ने अन्ताकिया नामक शहर में रहने गए। वहाँ उन्होंने उन लोगों को सुसमाचार बताया जिन्होंने पहले कभी यह सुना नहीं था और कई लोग यीशु में विश्वास करने लगे। (प्रेरितो 11:19-21) जल्द ही यरुशलेम की कलीसिया ने अन्ताकिया में हो रहे महान कार्य के बारे में सुना। यह सुनकर विश्वासियों को कैसा महसूस हुआ होगा? इसके बारे में अधिक जानने के लिए उन्होंने बरनाबास को भेजने का फैसला किया। वहाँ पहुँचकर उन्होंने अनेक विश्वासियों को देखकर वे बहुत प्रसन्न हुए उन्हें उपदेश दिया और यीशु को प्यार करने के लिए प्रोत्साहित किया। (प्रेरितो 11:22-24) बरनाबास कैसा व्यक्ति था? बरनाबास अन्ताकिया में इतना व्यस्त हो गया कि उन्हें एक सहायक की ज़रूरत पडा। परमेश्वर ने उन्हें शाऊल के बारे में याद दिलाया जिसे उन्होंने कई साल पहले मिल चुके थे। प्रभु यीशु से मिलने के बाद शाऊल तरसुस नामक उस शहर में गए जहाँ वह पैदा हुआ था। बरनाबास ने तरसूस जाकर शाऊल को अपने साथ अन्ताकिया ले आया ताकि वह उसे अपने काम में मदद कर सके। (प्रेरितो 11:25-26) समझाओं की अन्ताकिया शाऊल (पौलूस) के लिए खास जगह था क्योंकि उसने अपना धर्म-प्रचार की शुरुआत यही से किया था। शाऊल और बरनाबास एक साल वहाँ रहकर विश्वासियों को उपदेश देते रहे। उस समय के दौरान पहले भार प्रभु यीशु के विश्वासियों को मसीही कहलाए गए। (प्रेरितो 11:26) जब हम यीशु पर विश्वास करते है तो हमें भी मसीही कहलाया जाता है। जैसे पौलूस के लिए था असी तरह परमेश्वर को सारे विश्वासियों के लिए एक खास योजना है। मसीही बनने के लिए हमें क्या करना चाहिए? अगर हम मसीही है तो परमेश्वर हमें अपने सहायकों के रूप में कैसे इस्तमाल कर सकते है। <p>बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।</p>
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो - प्रेरितो 11:26
याद करने	<ul style="list-style-type: none"> किस शहर में कलिसिया बढ रहा था? यरुशलेम की विश्वासियों ने किसे अन्ताकिया भेजा? बरनाबास ने अन्ताकिया में क्या किया? जल्द ही बरनाबास को क्या ज़रूरत पडा? बरनाबास किसे ढुँढने गया? शाऊल और बरनाबास अन्ताकिया में कितने साल रहे? यीशु पर विश्वास करने वालों को क्या नाम दिए गए? शाऊल ने किसका काम किया?

A 11 कहानी 2

पौलूस (शाऊल) साइप्रस में - यह कहानी प्रभु यीशु के बारे में दूसरों से कहने के बारे में है।

	<p>हम सीख रहे की :</p> <ul style="list-style-type: none"> • यीशु पर विश्वास करके हमें सही चुनाव करने की आवश्यकता है। • हम दूसरो को यीशु के बारे में बताना चाहिए। <p>मुख्य पद: मत्ति 28:19 बाइबल पाठ: प्रेरितो 13:1-12</p>
प्रस्तुत करने	<ul style="list-style-type: none"> • बच्चों से यीशु के बारे में कई चीजों को आपस में चर्चा करने कहो! • समझाओ कि आज की कहानी पौलूस, बरनबास और मरकूस यूहन्ना लोगों को यीशु के बारे में बताने पर है। (पौलूस के नाम में परिवर्तन के बारे में ज़िक्र करे)
सिखाने	<ul style="list-style-type: none"> • एक दिन अन्ताकिया में मसीही इकट्ठे बैठे थे। पौलूस और बरनाबास भी वहाँ थे। पवित्र आत्मा ने लोगों को स्पष्ट किया कि पौलूस और बरनाबास को परमेश्वर केलिए एक विशेष कार्य करना था। इसके बारे में प्रार्थना करने के बाद बरनाबास, शाऊल और यूहन्ना मरकूस (जो बरनबास का भतीजा था) एक जहाज़ में चढकर साइप्रस गए (प्रेरितो 13:1-4) • वहाँ पहुँचने पर वे यात्रा करके सुसमाचार का प्रचार करने लगा। पाफूस पहुँचकर उन्होने एक भविष्यद्वक्ता से मिले जो साइप्रस की हाकिम केलिए काम करता था, हाकिम ने पौलूस और बरनबास के बारे में सुना और उनसे मिलने चाहा। वह वचन सुनना चाहता था लेकिन इलिमास टोन्हे ने विरोध करके हाकिम को विश्वास करने से रोकना चाहा। (प्रेरितो 13:5-8) • शाऊल जानता था कि यह शैतान का काम है। उसने भविष्यद्वक्ता से कहा कि वह पाप कर रहा है और यीशु उसे अन्धा कर देगा। जैसे ही पौलूस ने यह कहा इलीमास अन्धा हो गया। (प्रेरितो 13:9-11) • हाकिम ने परमेश्वर की शक्ति की महानता को देखा और यीशु पर विश्वास किया। (प्रेरितो 13:12) • <i>पौलूस, बरनबास, यूहन्ना, मरकूस और हाकिम ने यीशु पर विश्वास करके सही निर्णय लिया। इलिमास ने गलत निर्णय लिया। यीशु चाहता है कि हम भी उन पर विश्वास करे।</i> • <i>यीशु का सन्देश वास्तव में मायने रखने वाली एकमात्र सन्देश क्यों है?</i> • <i>क्या आप किसी धर्मप्रचारक को जानते हो?</i> • <i>आप दूसरे लोगों को यीशु के बारे में कैसे बता सकते है?</i> <p>बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।</p>
सीखने	<p>मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो - मत्ती 28:19 समझाओ की यह यीशु ने स्वर्ग वापस जाने से पहले कहा था। यह उनका योजना था कि सारे देश के लोग सुसमाचार सुनकर उन पर विश्वास करे।</p>
याद करने	<ul style="list-style-type: none"> • पौलूस और बरनबास को खास कार्य केलिए किसने भेजा? • उसके साथ और कौन गए? • उन्होने यात्रा कैसे किया? • वे किस द्विप पर गए? • पाफूस में वे किन से मिले? • पाफूस में किसने यीशु पर विश्वास किया? • भविष्यद्वक्ता को क्या हुआ? • मुख्य पद के शब्दों को किसने कहा था?

A 11 कहानी 3

पौलूस लुदिया से मिले - यह कहानी एक महिला के बारे में है जो यीशु पर विश्वास करती है।

	<p>हम सीख रहे की :</p> <ul style="list-style-type: none"> • जो भी प्रभु यीशु पर विश्वास करता है, उसे उद्धार मिलेगा। • हम कहीं और कभी भी परमेश्वर से बात कर सकते हैं। <p>मुख्य पद: प्रेरितो 2:21 बाइबल पाठ: प्रेरितो 16:6-15</p>
प्रस्तुत करने	<ul style="list-style-type: none"> • बच्चों को ऐसे एक समय के बारे में बताने को कहो जब वे कही दूर यात्रा केलिए गए थे। वह कहाँ गए? कितना लम्बा सफर था? वहाँ किस से मिले? • बच्चों को समझाओ कि आज की कहानी पौलूस और उनके साथियों के सफर के बारे में है।
सिखाने	<ul style="list-style-type: none"> • पौलूस और उनके दो दोस्त सिलास और तीमुथियुस अनेक मील यात्रा करके एक देश से दूसरा देश जा रहे थे। पवित्र आत्मा ने उन्हें ठीक से दिखाया कि परमेश्वर उन्हें कहाँ भेजने चाहता था। जहाँ भी वे गए अनेक लोग थे जैसे परमेश्वर के बारे में सुनना ज़रूरी था। (प्रेरितो 16:6-8) • आखिरखार वे समुद्रतट पर एक शहर में पहुँचे। उस रात पौलूस ने एक खास सपना देखा जिसमें एक मकिदुनिया आदमी उससे वहाँ आकर लोगों के मदद करने केलिए अनुरोध कर रहा था। पौलूस जानता था कि परमेश्वर उन्हें स्पष्ट रूप से दिखा रहा था कि उन्हें कहाँ जाना चाहिए। (प्रेरितो 16:9-10) • समझाओ कि परमेश्वर चाहता था कि वहाँ लोग यीशु के बारे में सुने इसलिए उसने पौलूस और साथियों को वहाँ भेजा। हम जहाँ भी रहे परमेश्वर चाहता है कि सभी लोग यीशु के बारे में सुने। • जल्द ही उन्हें उस दिशा की ओर जाते हुए एक जहाज़ मिला। जल्द ही वे फिलिप्पी नामक एक बड़ा शहर में पहुँचे। सब्द के दिन पौलूस और साथियों ने शहर के बाहर नदी तट पर गया। वहाँ उन्हें कुछ औरत मिले जो प्रार्थना करने वहाँ आए थे। (प्रेरितो 16:11-13) नदी तट में औरत परमेश्वर से प्रार्थना कर रहे थे। हम परमेश्वर से कहाँ प्रार्थना कर सकते हैं। • उसमे से एक स्त्री का नाम लुदिया थी। वह बैजनी कपडे भेजती थी। वह अनेक सालों से परमेश्वर पर विश्वास करती थी लेकिन उसने पुत्र प्रभु यीशु के बारे में कभी सुना नहीं था। लुदिया ने पौलूस की बातें ध्यान से सुनी। उसने प्रभु यीशु पर विश्वास किया। वह खुश थी कि पौलूस उसके शहर में आए थे। (प्रेरितो 16:14-15) लुदिया के परिवार भी मसीही बने। वे सभी ने बपतिस्मा लिया और लुदिया ने पौलूस और उनके साथियों को घर आकर उहराने को आमन्त्रित किया। • हम परमेश्वर से क्या कुछ बात कर सकते हैं। <p>बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।</p>
सीखने	<p>मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो - प्रेरितो 2:21 समझाओ कि प्रभु यीशु के नाम लेने का मतलब है हमारे पापों से उद्धार माँगना। इस कहानी में लुदिया ने भी यह किया।</p>
याद करने	<ul style="list-style-type: none"> • पौलूस का एक साथी का नाम? • कौन उसे दिखाया कि परमेश्वर उन्हें कहाँ भेजना चाहते थे? • पौलूस का सपना क्या था? • पौलूस और साथियाँ मकिदुनिया कैसे पहुँचे? • पौलूस और साथी ने स्त्रीयों से कहाँ पर मिले थे? • स्त्रीयाँ वहाँ क्या कर रही थी? • लुदिया क्या काम करती थी? • यीशु के बारे में सुनते ही लुदिया ने क्या किया?

A 11 कहानी 4

पौलूस और सिलास बन्दीगृह में - यह कहानी उद्धार पाए लोगों के बारे में है।

	<p>हम सीख रहे की :</p> <ul style="list-style-type: none"> हमे उद्धार पाने केलिए प्रभु यीशु पर विश्वास करनी चाहिए। मसीही सन्तुष्ट है क्योंकि ईश्वर उनके मसीह है। <p>मुख्य पद: प्रेरितो 16:31</p> <p>बाइबल पाठ: प्रेरितो 16:16-34</p>
प्रस्तुत करने	<ul style="list-style-type: none"> बच्चों से पूछें कि उन्हे क्या खुश करता है! बच्चों से बताओ कि आज की कहानी कई सन्तुष्ट लोग के बारे में है।
सिखाने	<ul style="list-style-type: none"> एक दिन जब पौलूस और सिलास फिलिपी में थे उन्होने एक दासी लडकी की मदद किया। इस कारण उनकी स्वामीयों ने गुस्से में आकर पौलूस और सिलास को खींचकर चौके में ले गए (प्रेरितो 16:16-21) पौलूस और सिलास को पीटा और बन्दीगृह में डाला गया। दारोग ने कोठरी में रखा और पाँव काठ में ठोक दिए। (प्रेरितो 16:22-24) आपको क्या लगता है कि पौलूस और सिलास को कैसा लगा होगा? आधी रात को दूसरे कैदियों ने पौलूस को सिलास को प्रार्थना करते और भजन गाते हुए सुना। इतने पिटाई के बाद भी वे गाना गा रहे थे (प्रेरितो 16:26) अचानक एक और आवाज़ सुना। सारे चीज़ हिलने लगे। दरवाज़े खुले और ज़ज़ीरों खुलकर गिर पड़े। वह एक भूकम्प था। (प्रेरितो 16:26) दारोग ने उठा और देखा कि बन्दीगृह के दरवाजे खुला है। उसका पहला विचार क्या हुआ होगा। पौलूस ने उसे चिन्ता नहीं करने को कहा क्योंकि सभी कैदी अभी भी वहाँ मौजूद थे। (प्रेरितो 16:27-28) दारोग ने समझ गया की वह एक पापी था और उसने पौलूस से पूछा कि उद्धार पाने केलिए क्या करना चाहिए। पौलूस ने जवाब दिया कि उद्धार पाने केलिए प्रभु यीशु पर विश्वास करना है। पौलूस और सिलास ने दारोगे और उनके परिवार को समझाया कि यीशु ने उनके पापों केलिए क्रूस पर प्राण दिया था। दारोगे ने उन्हे अपने घर ले जाकर घाव धोए और भोजन दिए। दारोगा और परिवार केलिए वह एक अच्छी रात थी क्योंकि उन्होने यीशु पर विश्वास किया था। (प्रेरितो 16:29-34) इस कहानी में कौन खुश थे? वे खुश क्यों थे? बच्चों को समझाओ कि हमें हमारे पापों से उद्धार पाना ज़रूरी है। हमें यीशु पर विश्वास करना चाहिए क्योंकि वे परमेश्वर का पुत्र था जिन्होने हमारे लिए प्राण भी दिया था। <p>बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।</p>
सीखने	<p>मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो - प्रेरितो 16:31</p>
याद करने	<ul style="list-style-type: none"> पौलूस और सिलास ने किसका मदद किया था? पौलूस और सिलास के साथ क्या हुआ? आधी रात को पौलूस और सिलास क्या कर रहे थे? जब वे भजन गा रहे थे तब क्या हुआ? भूकम्प के बाद दारोगा डरा हुआ क्यों था? दारोगा ने पौलूस और सिलास से क्या पूछा? पौलूस और सिलास ने उसने क्या कहा? उस रात दारोगा ने क्या किया? इस पाठ से हमें क्या सीख मिलती है?

A 12 कहानी 1

जकरयाह और इलीशिषा - यह कहानी परमेश्वर की प्रार्थना का जवाब देने के बारे में है।

	<p>हम सीख रहे की :</p> <ul style="list-style-type: none"> परमेश्वर प्रार्थना के जवाब देता है। परमेश्वर हमारे समय में नहीं उसने समय पर प्रार्थना का उत्तर देता है। <p>मुख्य पद: लूका 1:13</p> <p>बाइबल पाठ: लूका 1:5-25</p>
प्रस्तुत करने	<ul style="list-style-type: none"> बच्चों से उनके परिवार के बारे में पूछो। उनके घर के बच्चों के बारे में चर्चा करो। बच्चों लोगों को खुशी देते है ! बच्चों को उन चीजों के बारे में सोचने के लिए कहे, जो वास्तव में वे चाहते है। उसे वह चीज क्यों पसन्द है? इस कहानी के जोड़ें भी ऐसे कुछ चाहते थे, उन्हें एक बच्चा चाहिए था।
सिखाने	<ul style="list-style-type: none"> जकरयाह और इलीशिषा वास्तव में एक बच्चा चाहता था। उनके सारे दोस्तों और परिवार वालों के घर में बच्चो हो गए पर यह दोनों बेऔलाद थे। <i>उन्हे कैसा लगा होगा। बच्चों से पूछो की घर में बच्चे न होना कैसा होता है। (लूका 1:5-7)</i> उन्होंने इसके बारे में परमेश्वर से प्रार्थना करने का फैसला किया। वे जानते थे कि परमेश्वर प्रार्थना के उत्तर देने के लिए सक्षम है। (लूका 1:13) <i>समझाओ कि हम किसी भी समस्या के बारे में प्रार्थना कर सकते है।</i> परमेश्वर ने प्रार्थना सुना और जकरयाह से मन्दिर में मिलने के लिए एक स्वर्गदूत को भेजा। <i>स्वर्गदूत को देखकर जकरयाह को कैसा लगा? स्वर्गदूत ने उसे न डरने को कहा और उसे खुश खबर दिया की इलीशिषा का एक बेटा होगा जिसका नाम यूहन्ना रका जाएगा (लूका 1:8-11)</i> जकरयाह ने जो समाचार सुना उसे वह विश्वास नहीं कर सकता था। उसने सोचा कि वह और इलीशिषा बहुत बूढ़े हो चुके और उन्हें अब बच्चो नहीं हो सकते थे। स्वर्गदूत ने उसे बताया कि उनके अविश्वास के कारण वह गूना बन जाएगा। (लूका 1:18-20) <i>जकरयाह से हम एक महत्वपूर्ण सबक सीख सकते है। जब हम प्रार्थना करते है तब हमे विश्वास करना चाहिए कि परमेश्वर हमारी प्रार्थना का जवाब देंगे।</i> <i>कुछ मामलों पर विचार करे जिसके लिए हम प्रार्थना कर सकते है।</i> •बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो - लूका 1:13
याद करने	<ul style="list-style-type: none"> जकरयाह ने किससे शादी किया? वे वास्तव में क्या चाहते है? जकरयाह और इलीशिषा ने किससे प्रार्थना किया था? जकरयाह से मिलने मन्दिर पर कौन आया था? स्वर्गदूत को देखकर जकरयाह को कैसा लगा? स्वर्गदूत ने क्या सन्देश दिया? सन्देश पर विश्वास न करने पर जकरयाह को क्या हुआ? जब हम प्रार्थना करते है तो हमे किस महत्वपूर्ण कार्य को करना चाहिए?

A 12 कहानी 2

मरियम और जिब्राईल - यह कहानी मरियम की परमेश्वर के विश्वास के बारे में है।

	<p>हम सीख रहे की :</p> <ul style="list-style-type: none"> • असम्भव लगने पर भी मरियम ने परमेश्वर का वचन पर विश्वास किया। • परमेश्वर असम्भव दिखने वाली चीजों को भी कर सकते है। <p>मुख्य पद: लूका 1:37</p> <p>बाइबल पाठ: लूका 1:26-38</p>
प्रस्तुत करने	<ul style="list-style-type: none"> • पिछले हफ्ते की कहानी की समीक्षा करे जो जकरयाह और इलिशिबा को बच्चा होने का स्वर्गदूत की सन्देश के बारे में था। परमेश्वर ने एक और खास मुलाकात के लिए स्वर्गदूत को भेजा !
सिखाने	<ul style="list-style-type: none"> • <i>मरियम और इलिशिबा में फर्क दिखाओ।</i> मरियम एक कूंवारी युवती थी जिसकी मंगली नासरत में रहने वाले यूसुफ से हुई थी। एक दिन जिब्राईल नामक स्वर्गदूत ने उससे आकर मिला (लूका 1:26-27) बच्चों को समझाओ की यह एक साधारण कार्य नहीं था और स्वाभाविक रूप से मरियम डरी थी। • स्वर्गदूत ने उसे न डरने को कहा। उसने जिब्राईल की बातें ध्यान से सुनीं। मरियम उलझा हुई थी। उसकी शादी अभी तक हुई नहीं थी। स्वर्गदूत ने कहा कि पवित्र आत्मा उसे एक विशिष्ट बच्चे को देगी। (लूका 1:29-34) • आज तक पैदा हुए सारी बच्चों से यीशु महत्वपूर्ण होगा। वे परमेश्वर का पुत्र होगा। समझने में बहुत ही मुश्किल था लेकिन स्वर्गदूत ने मरियम को समझाया कि परमेश्वर के लिए कुछ भी असम्भव नहीं था। (लूका 1:35-37) • मरियम ने उस सन्देश को विश्वास किया जो उसे बताया गया था। परमेश्वर की महान योजना का एक हिस्सा बनकर परमेश्वर के बेटे को सन्सार में लाने के लिए मरियम तैयार थी। यीशु का जन्म एक बहुत बड़ा चमत्कार होगा। (लूका 1:38) • <i>क्या आपको कभी ऐसा कुछ वादा किया गया है जिसे आपको विश्वास करना मुश्किल लगा हो?</i> • <i>आपको क्यों लगता है कि मरियम ने स्वर्गदूत को विश्वास किया? परमेश्वर चाहता है कि मरियम के तरह हम सब उन पर विश्वास करे।</i> <p>•बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।</p>
सीखने	<p>मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो - लूका 1:37 क्या बच्चों को बाइबल में बताए गए कुछ अन्य असम्भव कार्य के बारे में सोच सकते है जो परमेश्वर ने किया था? ऐसे शक्तिशाली परमेश्वर होने के लिए उसकी प्रशंसा करे।</p>
याद करने	<ul style="list-style-type: none"> • मरियम कहा रहती थी? • मरियम की मंगली किसके साथ हुई थी? • उस स्वर्गदूत का नाम क्या था जिसने मरियम से मिला? • सन्देश सुनकर मरियम दुविधा में क्यों थी? • किस तरह से यह बच्चा विशेष होगा? • सन्देश को सुनकर मरियम ने क्या किया? • अनुकरण के लिए मरियम एक अच्छी मिसाल क्यों है? • परमेश्वर से असम्भव कार्य क्या है?

A 12 कहानी 3

यूहन्ना का जन्म - यह कहानी परमेश्वर के वादे पूरा होने के बारे में है।

	<p>हम सीख रहे की :</p> <ul style="list-style-type: none"> परमेश्वर जकरयाह और इलिशिबा से किए वादा को पूरा करता है। परमेश्वर हमारे प्रती अपना वचन को रखता है। <p>मुख्य पद: लूका 1:76 बाइबल पाठ: लूका 1:57-80</p>
प्रस्तुत करने	<ul style="list-style-type: none"> चर्चा करो कि अनेक महीनों के लिए गूंगा रहना कैसा होगा? बच्चों को समझाओं कि स्वर्गदूत के सन्देश को अविश्वास करके जकरयाह के साथ ऐसे ही हुआ! क्रिसमस या कोई अन्य विशेष दिन पर अगर आपको वो तोहफा मिले जिसका इन्तज़ार आप कर रहे थे तब आपका एहसास क्या था? जकरयाह और इलिशिबा को भी ऐसा कुछ अनुभव हुआ जब वादे के अनुसार उन्हें एक बेटा मिला।
सिखाने	<ul style="list-style-type: none"> परिवार वाले और पड़ोसी चाहते थे कि बच्चे का नाम जकरयाह रका जाए। लेकिन इलिशिबा ने कहा कि उसका नाम यूहन्ना होगा। (लूका 1:57-60) इलिशिबा ने ऐसे क्यों कहा? जब जकरयाह से बच्चे के बारे में पूछा गया उसने लिखा 'उसका नाम यूहन्ना है' (लूका 1:62-63) उसी वक्त वह बोलने लगा। जकरयाह ने ऐसे क्यों किया? <i>परमेश्वर ने अपना वादा पूरा किया। वह अपने पुत्र के जन्म पर खुश था और वह जानता था कि परमेश्वर और अधिक अनोखे कार्य करेंगे। जो कुछ भी हुआ उसे देखकर सब हैरान रह गए।</i> (लूका 1:64-66) <i>यूहन्ना एर विशेष बच्चा था। क्यों? बच्चों को समझाओ कि यूहन्ना के लिए उनके माता-पिता ने अनेक साल इन्तज़ार किए थे। और वह बड़ा होकर प्रभु यीशु के लिए रास्ता तैयार करेगा।</i> <i>परमेश्वर हमारे प्रति अपने वादे को भी रखेंगे। बाइबल में दिए गए कुछ वादे के बारे में चर्चा करो।</i> <p>•बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।</p>
सीखने	<p>मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो - लूका 1:76 व्यक्त करो कि यह भाग जकरयाह के भजन से लिया गया है जिसे उसने परमेश्वर के स्तुति करते हुए किया था।</p>
याद करने	<ul style="list-style-type: none"> इलिशिबा का पति कौन था? वह गूंगा क्यों था? पड़ोसी बच्चों का नाम क्या रखना चाहते थे? जकरयाह और इलिशिबा ने उसे यूहन्ना क्यों बुलाया? जकरयाह ने फिर बातें करना कब शुरू किया? यूहन्ना क्या विशेष काम करने वाला था?

A 12 कहानी 4

यीशु का जन्म- यह कहानी परमेश्वर अपने बेटे को देने के बारे में है।

	<p>हम सीख रहे की :</p> <ul style="list-style-type: none"> • यीशु परमेश्वर का पुत्र है जो हमारे मसीह बनने के लिए आया। • परमेश्वर ने अपने पुत्र प्रभु यीशु को भेजा। इस महान प्रेम के लिए हमें उनको धन्यवाद देना चाहिए। <p>मुख्य पद: लूका 2:7 बाइबल पाठ: लूका 2:1-7</p>
प्रस्तुत करने	<ul style="list-style-type: none"> • अन्तिम क्षण में योजनाए के बदलने के बारे में चर्चा करे। अपने और बच्चों के जीवन से कुछ उदाहरण दो। • समझाओ की मरियम अपने बच्चे को जन्म देने का समय नज़दिक आ रहा था। यह आसान होता अगर बच्चे का जन्म नासरत में ही होता जहाँ यूसुफ और मरियम रहते थे।
सिखाने	<ul style="list-style-type: none"> • रोमन हाकिम ने आज्ञा निकाला कि सारे लोग अपने जन्मस्थान में अपने नाम लिखाए। यूसुफ और मरियम को बैतलहम जाना था (लूका 2:1-5) सफर के दूरी के बारे में जानकारी दो- लगभग 80 मिल/ चार दिन की सफर। • वहाँ पहुँचने पर उन्हें ठहरने को जगह नहीं मिला बच्चे का जन्म देना का दिन पूरा होने वाला था तो उसे एक सराय में रुकना पडा। (लूका 2:6-7) • जब बच्चा पैदा हुआ तो उसे कपडे में लेपट क चरनी में रका। (लूका 2:6-7) बच्चों को इसके महत्व के बारे में समझाओ कि महान यीशु को एक चरनी में लिटाया गया। हमारे घर में जन्म बच्चों से इसकी तुलना करो। • यीशु की तरह आज तक कोई बच्चे का जन्म नहीं हुआ है। वे परमेश्वरक पुत्र है। वे स्वर्ग छोडकर हमारे पापों के उद्धार के लिए इस सन्सार में आने के लिए तैयार हुए थे। (मत्ति 1:21) • हमे याद रकना चाहिए की क्रिसमस इस सब के बारे में है। और हमे परमेश्वर को उनके महान प्रेम के लिए धन्यवाद देना चाहिए। <p>•बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।</p>
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो - लूका 2:7
याद करने	<ul style="list-style-type: none"> • यूसुफ की पत्नी कौन थी? • मरियम और यूसुफ कहाँ रहते थे? • यूसुफ और मरियम कहाँ गए? • यूसुफ और मरियम बैतलहम में क्यों थे? • वे एक ओसारा में क्यों रुके थे? • यीशु को कहाँ लिटाया गया? • यीशु विशेष क्यों थे? • हमें एक मसीहा को ज़रूरत क्यों हे?

पाठ को अंकन करने शिक्षको केलिए मार्गदर्शन

लेवल 1 पाठ:

- हर हफ्ते एक/दो पन्ने जो मुख्य रूप से रंग भरने या सवालों के जवाब देने।
- हर हफ्ते 10 अंक निर्धारित किए हैं और एक महीने में अधिकतम 40 अंक।
- लेवल 1 के बच्चों को अक्सर पढ़ने में तकलिये हो सकता है इसलिए हम चाहते हैं कि माता-पिता/ रक्षक/शिक्षक उनके सहायता करे।
- हम हर सवाल केलिए 2 अंक निर्धारित किए हैं और शेष अंक रंग भरने केलिए/ ऐक अध्याय केलिए 10 अंक।

लेवल 2 पाठ:

- हर हफ्ते 4 पन्ने।
- कहानी पाठ में ही निहित है। बच्चों को पहेली सुलझाने, रंग भरने, मुख्य पद को पूरा करना है।
- 20 अंक हर हफ्ते केलिए निर्धारित हैं और एक महीने केलिए अधिकतम 80 अंक।

बाइबल टाइम के मार्किन्ग

निर्देश:

शिक्षक पहले:

- पाठ को जाँच कर चिन्हित करे।
- निर्देश अनुसार आवश्यक अंक है।
- गलत जवाब के पास चिन्हित करे और सही जवाब भी लिखे।
- आन्शिक रूप से सही उत्तर केलिए मक अंक दे।
- एक महीने के कुल अंक के दिए हुए जगह में लिखो।